

आमरानित मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-24 अंक-24 मार्च-11-2022



(पाक्षिक)

माउण्ट आबू

Rs. 8.50

“ ब्रह्माकुमारीज मोहाली ने विश्व कैसर दिवस पर आयोजित किया भव्य सेमिनार

ब्र.कु. डॉ. रमा ने कहा...

राजयोग मेडिटेशन कैसर उन्मूलन में बहुपयोगी

कारण और निवारण पर हुई गहन चर्चा

मोहाली-पंजाब। कैसर की जानलेवा बीमारी गलत खानापान से सम्बंधित है जिससे जाहीरीत तत्व शरीर में इकट्ठे हो जाते हैं तथा तनाव बढ़ने के कारण लोग धूम्रपान व मद्यपान करने लगते हैं जिससे लीवर व अन्य तरह के कैसर पैदा हो जाते हैं। प्रतिवर्ष कैसर के कारण भारत में पंद्रह लाख लोग जीवन से हाथ धो बैठते हैं जिसमें मुख, गला, महिलाओं में ब्रेस्ट, बच्चेदानी व

लीवर, दिल, गुर्दे आदि के साथ-साथ मलद्वार तक 50 तरह के कैसर मनुष्य को घेर लेते हैं जिनसे जल्दी बचने की ज़रूरत होती है। उक्त विचार कैसर विशेषज्ञ डॉ. बुद्धि सिंह यादव, प्रोफेसर, रेडियोलॉजी ऑन्कोलॉजी ने ब्रह्माकुमारीज के सुख शांति भवन फेज 7 में विश्व कैसर दिवस पर आयोजित सेमिनार में व्यक्त कियो। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुरुषों में कैसर अधिकतर 80-90 प्रतिशत तम्बाकू, शराब, गलत खानापान से मुह, गला, पेट, प्रोस्टेट, किडनी व खानापान व जीवनशैली अपनाने



ब्लड कैसर होता है जिससे बचने की ज़रूरत है। राजयोगिनी ब्र.कु.

के लिए प्रतिदिन तीस से चालीस मिनट की सैर या व्यायाम, सही

रोग व चिंताओं से असुरक्षित महसूस करता है क्योंकि उसका मन शक्तिशाली नहीं है। राजयोग से उसका मन सशक्त बनाकर

कैसर के उन्मूलन में बड़ा योगदान हो सकता है। साथ ही उन्होंने राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई। ब्र.कु. सुमन बहन ने राजयोग मेडिटेशन से प्राप्त शक्ति से कैसर की बीमारी का सामना करते समय के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजयोग से वह बहुत सकारात्मक बन आत्मविश्वास से भरपूर हो अपनी नौकरी, किंचन व रोजाना के सभी कार्य करते इस रोग पर विजयी हुई। ब्र.कु. अदिति बहन ने भी अपने विचार रखे। सेमिनार में दो सौ से अधिक लोगों ने भाग लिया।

अपनेपन के साथ कर्तव्यनिष्ठ होकर करना होगा कार्य

छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)। ‘आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर’ थीम के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज के समाज सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित ‘मानवता के संरक्षक’ कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र सचालिका एवं प्रभाग की जोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. शैलजा बहन ने कहा कि आज भारत की जो स्थिति है, उसके जिम्मेवाली ही हम ही हैं और भारत भूमि को स्वर्णिम भी हम ही बना सकते हैं। आध्यात्मिकता हमें अंदर से सशक्त बनाती है। भारत हमारी माँ है और हम उसके बच्चे हैं। तो हमें अपनेपन के साथ कर्तव्यनिष्ठ होकर कार्य करना होगा। उन्होंने अतिथियों को ब्रह्माकुमारीज के बीस प्रभागों द्वारा पूरे वर्ष भर होने वाले कार्यक्रमों से अवगत कराया। गंगा विचार मंच के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. भरत पाठक ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान की दिशा और दृष्टि दोनों आजादी के पहले से, संस्थान के संस्थापक दादा लेखराज जी के समय से ही तय है। और जब दिशा और दृष्टि तय हो तो हमें



केवल सहयोग करना है। उन्होंने संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू के सोलार प्लांट का जिक्र करते हुए कहा कि सोलर ऊर्जा के प्रयोग से हम बहुत हृद तक प्रदूषण को दूर कर सकते हैं। इसका शानदार उदाहरण माउंट आबू है। भारत रत्न-नाना जी देशमुख की दत्तक पुत्री एवं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नंदिता पाठक ने कहा कि जब से मैं इस संस्था के संपर्क में आयी हूँ, मझे इनके काम करने के तरीके ने अधिभूत किया है। आज ऐसे सुंदर मौके पर हम सभी संकल्प लें कि अपने क्षेत्र में कोई गरीब व अशक्ति न रहे। ब्र.कु. कल्पना बहन ने कॉमेन्ट्री के द्वारा मन में शुद्ध विचार उत्पन्न कर, उस संकल्प को धरती माँ को समर्पित करने का योगाभ्यास कराया। सभी ने मातृभूमि के लिए पत्र लिखकर अपनी भावनाएं प्रकट कीं एवं स्वर्णिम समाज बनाने के लिए सभी ने प्रतिज्ञाएं भी कीं। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. रीना बहन ने किया। इस अवसर पर प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अलावा शहर के प्रतिष्ठित समाज सेवियों की गरिमामय मौजूदगी रही।

बिना आध्यात्मिकता... भारत विश्व गुरु नहीं बन सकता

कादमा-हरियाणा। शहीद उधम सिंह जयंती एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज कादमा-झोझू के तत्वाधान में ग्रामीण पुस्तकालय तिवाला में किसान क्लब व हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि जिस समृद्ध, सुखी, गौरवशाली भारत के लिए शहीदों ने अपना सर्वस्व बलिदान दिया था, हम सबका भी यह दायित्व बनता है कि हम शहीदों के बताए हुए मार्ग पर चलकर समाज और राष्ट्र की उन्नति में अपना सकारात्मक योगदान दें। सांसद ने कहा कि नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों द्वारा समाज उत्थान के साथ शहीदों के मान-सम्मान में भी बहुत बड़ा योगदान दे रही है ब्रह्माकुमारी संस्था, जिसके कारण ही भारत पुनः सोने की चिंडिया विश्व गुरु बन सकता है। उप जिला मेडिकल अधिकारी डॉ. आशीष मान ने कोरोना वायरस से बचने के लिए वैक्सीन लगाने, मास्क का प्रयोग करने के लिए सभी को सचेत किया। गुरज्योगिनी ब्र.कु. वसुधा बहन ने कहा कि समाज व राष्ट्र में वास्तविक शांति, सुख, समृद्ध तभी संभव है जब हमारे विचार नेक हों, हम मिल कर के अपने सामाजिक दायित्व को पूरा करें। युवाओं



को संकल्पित होकर समाज की उन्नति के लिए के बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। मैंके पर सामाजिक कार्यों में बहुमूल्य योगदान के लिए सांसद धर्मवीर सिंह व किसान क्लब सदस्यों ने ब्र.कु. वसुधा बहन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम संचालन सामाजिक कार्यकर्ता विश्व सिंह आर्य ने किया। रक्त दाताओं को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में पुस्तकालय प्रबंधक राजबीर सांगवान, किसान क्लब अध्यक्ष सतपाल सांगवान, सचिव अशोक कुमार, समाजसेवी मास्टर संजू, हरपाल आर्य आदि का विशेष सहयोग रहा।

‘आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर’ अभियान के अंतर्गत आयोजित...

ब्रह्माकुमारीज के ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत’ बाइक रैली का भव्य स्वागत

नई दिल्ली-एनसीआर। ‘आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर’ अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज के मुख्यालय माउंट आबू से दिल्ली तक ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत’ लक्ष्य को लेकर बाइक रैली का आयोजन हुआ। देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रैली को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ब्रह्माकुमारीज और भारत सरकार के सांस्कृतिक व पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से आयोजित बाइक रैली के ओ.आर.सी. पहुंचने पर आओरासी की निदेशका राज्योगिनी ब्र.कु. आशा दीदी एवं ब्र.कु. भाई-बहनों के द्वारा रैली का भावपूर्ण स्वागत हुआ। इसके पश्चात बाइक रैली संस्था के कई स्थानीय सेवाकेन्द्रों पर भी रैली के स्वागत और सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुए।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था वर्चुअली शुभारंभ

हुआ। साथ ही मानेसर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सचिव ने रैली का हार्दिक अभिनन्दन किया। गुरुग्राम, खिडकी धौला में टोल प्लाजा के महाप्रबंधक, ओवरसीज कपनी के महानिदेशक सतीश, हरियाणा न्यूज़ के मुख्य संपादक एवं न्यूज़ रिपोर्टर्स के द्वारा भी बाइक रैली का भव्य स्वागत हुआ। गुरुग्राम में अनेक सेवाकेन्द्रों पर भी रैली के स्वागत और सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुए।



हमारी स्वाभाविक नेचर है खुशी

मुख्य की झोपड़पट्टी में रहने वाले बच्चे खेल रहे थे। शरीर पर पूर्ण वस्त्र भी नहीं थे। लेकिन खेलते हुए सभी बच्चों के चेहरे पर बहुत ही आकर्षक मुस्कान दिखाई दे रही थी। इसे देख वहाँ से जा रहे एक विदेशी फोटोग्राफर का मन उस दृश्य को अपने कैमरे में कैद करने का चाहा। जब वो तस्वीर खींचने लगा तो पास में खड़े बुजुर्ग ने उसको रोकने की कोशिश की, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि ऐसी गरीबी की तस्वीर लेकर वो भारत को नीचा दिखाये। विदेशी ने तस्वीर खींचने के लिए रोकने पर कहा कि मैं आपके भारत की गरीबी को दिखाने के लिए तस्वीर नहीं खींच रहा हूँ, बल्कि मैं तो उनके चेहरे की खुशी और खोलेपन की तस्वीर लेना चाहता हूँ कि इतने गरीब होने के बावजूद भी उनके चेहरे का मधुर स्मित बहुत ही अलौकिक, आकर्षक व लुभावना है। हमारे यहाँ ऐसा स्मित सब सुख-सुविधा होने के बावजूद भी नहीं देखने को मिलता। ये दृश्य हमें स्मृति दिलाता है कि भारत के हर मनुष्य के चेहरे का एक दैवी आकर्षण सबको लुभाता है। खुशमिजाज, खुश रहना भारतीयों की फितरत है, नेचर है। उनके रुहानी स्मित को सुख-साधन की कमी भी रोक नहीं पाती। इससे क्या प्रमाणित होता है कि हमारे भारत वासियों के जैसी दैवी आकर्षण दुनिया के अन्य किसी कोने में नहीं। खुशी हमारी नेचर है। अब बात आती है कि ऐसी नेचर पुनः हमारे चेहरे पर सदा रहे उसके लिए हमें क्या-क्या बातें ध्यान में रखनी हैं, इस पर हम थोड़ा विचार करते हैं।

हाल ही में बाबा(परमात्मा) से मंगल मिलन मनाते हुए उनके द्वारा ये शब्द कानों में जैसे ही आया कि - खुशी आपकी नेचर है, खुश रहना है और खुशियां बाटनी हैं। ऐसे खुशनुमा चेहरा ही परमात्मा को प्रत्यक्ष करेगा। बाबा ने कहा कि हर हाल में, हर परिस्थिति में, उत्तराव-चढ़ाव में अपने चेहरे के स्मित को बनाये रखना है। इस जिम्मेवारी को हरेक को स्वयं ही उठाना है क्योंकि आज चारों ओर भय, दुःख, अशांति का माहौल है। करीब दो साल कोरोना काल में हम सबने गहन तपस्या की। अब पुनः विश्व सेवा के द्वारा खुले हैं। ऐसे में हमारा खुशमिजाज चेहरा ही विश्व सेवा और विश्व परिवर्तन का आधार बनेगा। चाहे हम जहाँ भी जाते हैं, जिससे भी मिलते हैं, जिसके भी सम्पर्क में आते हैं तो हमारे चेहरे और चलन से उन्हें ईश्वरीय अलौकिक खुशबू अनुभव होनी चाहिए। यही हमसे परमात्मा की शुभ आश है। इसके लिए बाबा ने हमें बहुत ही सहज युक्तियां बताईं कि आप योग लगाने वाले नहीं लेकिन कर्मयोगी हो। कर्म करते योग में रहना अर्थात् परमात्मा पिता के साथ कर्म करना। सर्वशक्तिवान साथ है, यानी कि परमात्मा की सर्व शक्तियां आपके साथ हैं, ये स्मृति आपको सदा ही ऊर्जावान बनाए रखेगी। क्योंकि अकेले होंगे तो अकेले कार्य करने में कभी भी बाह्य परिस्थितियां, वातावरण का प्रभाव आपके ऊपर पड़ सकता है, जिससे आप खुशमिजाज नेचर से नीचे आ जायेंगे।

अपने रोल को पहचानें। जब हम अपने रोल को इस धरा पर अच्छी तरह से समझ जाते हैं कि मैं कौन हूँ, मैं किसकी हूँ और मेरे साथ कौन है, मेरा कौन साथ दे रहा है, इस फीलिंग में रहने से आपके चेहरे से हमेशा ही खुशी की रश्मियां खिखरती दिखाई देंगी। परमात्मा यही तो हमें बता रहे हैं कि आप अपने आप को, अपने कर्तव्य को पहचानो और सर्वशक्तिवान के साथ साथी बन साथ जिओ।

विजय आपकी निश्चित है। जैसे हमने गीता में पढ़ा है कि परमात्मा हमेशा पांडवों के साथ थे। विशेष रूप से अर्जुन जब भी दुविधा या असमंजस की स्थिति में आ जाता, तब उसकी ये स्मृति उसे हिम्पतवान बनाये रखती कि परमात्मा मेरे साथ है, चाहे कुछ भी हो जाये विजय तो हमारी ही होगी। इस स्मृति को हम सही-सही रूप में समझें और उसे स्वीकार करें तो हमारे मुख का स्मित कइयों के दुःख हर लेगा। परमात्मा द्वारा प्राप्त खजानों को स्मृति में लायें। परमात्मा द्वारा मिले हुए ईश्वरीय खजानों को खा जायें और उसमें खो जायें। जैसे छत्तीस प्रकार के भोजन हमारे सामने हैं, हम उसको स्वीकार करते हैं, फिर उसे हजार करते हैं, तब शक्तिशाली बनते हैं। इसी तरह परमात्मा के द्वारा मिले ज्ञान रूपी खजानों को मनन-चिंतन रूपी क्रिया से हमें अपना बनाना है। न सिर्फ अपना बनाना है किंतु उसे बारंबार मन, चिंत पर लाकर उसका अनुभव भी करना है। ये अलौकिक अनुभव आपके चेहरे की मुस्कान को सदा प्रज्वलित रखने में घृत का काम करेगा।

अलौकिक रूहानी आकर्षण मेरी नेचर है। खुश रहना मेरा कर्तव्य है, विजय निश्चित है और दुःख से बचने के लिए ईश्वरीय ज्ञान के खजाने मेरे पास हैं, और परमात्मा का साथ व स्नेह की छत्राभ्यास मुझपर सदा ही एक और, सुरक्षा कवच के रूप में सदा मेरे साथ-साथ है। इन स्मृतियों को बार-बार अपने मन, चिंत पर लाकर गुड़ फीलिंग के साथ सेवा के क्षेत्र में जायें। तब ही हम परमात्मा के परिवर्तन के कार्य को बखूबी निभा पायेंगे और परमात्म-प्रत्यक्षता भी कर सकेंगे। ठीक है न।

किससे भी बात करें, किसे भी देखें तो

स्वरूप की स्मृति भूले नहीं

॥ राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी

संगमयुग नहीं हो, कम से कम वेस्ट थॉट जो का जो चलते हैं, उसके लिए भी सभी अन्तिम काल है, अभ्यास करते हैं कि व्यर्थ विचार उस समय की हमको क्या तैयारी कर ली है? उसकी तैयारी करते हैं, आ ही जाते हैं, भिन्न-भिन्न रूप से या करनी है? अन्तिम समय के हिसाब से बाबा ने दो शब्द कहे हैं - एक तो अचानक होना है और एकरेडी रहना है। तो सबको ये दो शब्द याद रहते हैं ना? कभी भी बुलावा हो सकता है। नेक्स्ट ज्ञान के लिए। इसीलिए बाबा ने बनने का अभ्यास अगर हम अचानक के लिए कई बातें सुनाई हैं। जैसे आप अपनी हर घड़ी अन्तिम घड़ी समझो क्योंकि सेकण्ड के बहुतकाल से नहीं करेंगे तो बहुतकाल की मदद हमको नहीं मिलेगी। तो बाबा कहते हैं मन के मालिक बनके बार-बार शरीर के भान से परे अशरीरी रहने का अभ्यास बहुतकाल का आवश्यक है।

तो अन्तिम पेपर में पास होने के लिए, अभी से ही हमको क्या लक्ष्य रखना चाहिए, उसकी योजना अभी से बना लेनी चाहिए क्योंकि सेकण्ड का पेपर होना है। सेकण्ड में क्या से क्या भी हो सकता है इसीलिए बाबा कहते अभी से अशरीरी भव का अभ्यास बहुत जरूरी है। यह मन चारों ओर के दृश्य देख करके विचलित होगा लेकिन इस मन को कन्ट्रोल करना, यह अभ्यास हो तब एक सेकण्ड में अशरीरी हो सकेंगे। कोई भी आकर्षण हमारे द्वारा खोने की नहीं। अपने असली स्वरूप की नॉलेज है लेकिन उसकी अनुभूति में कम रहते हैं, बॉडी कॉन्सियर की पुरानी स्मृति इमर्ज होती रहती है। तो अभी जो भी कहते हैं "मैं आत्मा अशरीरी हूँ" तो यह करने से ही अशरीरी पकड़ा का अनुभव होना चाहिए। "मैं आत्मा सेकण्ड में अशरीरी बनने का अनुभव हमको अभी से करना चाहिए।

हम जिस बात को नहीं चाहते हैं याद तो स्वतः ही आयेगी, क्योंकि आत्मा का कोई से कनेक्शन नहीं होता तो है, यह सबके जीवन में यह हम समझते हैं यह

आत्मा समझने से परमात्मा की

स्व पर ध्यान देने वाली आत्मा न कभी डरती

और न ही कभी कन्पथूजा होती

॥ राजयोगिनी दादी जानकी जी

हम सबका जन्म बाबा की दृष्टि से हुआ है, पालना भी दृष्टि से हुई है, बड़े भी बोहोमरे ऊपर छाया बाबा की दृष्टि से हुए हैं। अभी दृष्टि के की तरह, वायब्रेसन के रूप में अपना आधार से हम बाणी से परे जा रहे हैं। लेकिन फिर भी आ ही जाते हैं, भिन्न-भिन्न रूप से माया आ जाती है, जो चाहते नहीं लेकिन आ जाती है, तो न चाहते भी क्यों आती है? कारण है बहुतकाल से बॉडी कॉन्सियर के व्यापार डाल रही है, जिस कारण जल्दी दृष्टि और बाबा के बोल जैसे कि ब्राह्मणों का भोजन है। सबवे-सबवे बाबा अच्छा ताजा, तरावटी और वैराइटी भोजन खिलाता है, जो रूहानियत में रहेंगे वही यह भोजन खा सकेंगे। कौन सुना रहा है? उसको देख करके खायेंगे तो अच्छी तरह से जल्दी हज़म भी हो जायेगा। यह भोजन खाते हल्के हो जायेंगे। तो कितने तो कहेगा और! यह तो कुछ नहीं है! जितनी प्रालब्ध ऊंची है, परीक्षायें भी तो तो पता कैसे चलेगा! बाबा के बच्चे पक्के, सच्चे तब बनते हैं जब अपनी स्थिति पर ध्यान देते हैं।

तो हमारे चिंतन में बाबा है, चिंता में कोई है नीहीं। जिसके पास थोड़ी चिंता है, तो दुःख और भय भी जरूर होगा। बैठा है उसका चिंतन बड़ा शुद्ध और श्रेष्ठ होगा, शुभ भावना वाला होगा। कोई कामना नहीं, कुछ नहीं चाहिए। बाबा को चिंतन में रखने से दुःख, चिंता मिट जाती है। सुख-शांति-शीतलता स्वरूप में आ जाती है। तो प्रोटेक्शन किससे हुई? ईश्वर के चिंतन में। हम सबके लिए सुख-विचारक तरह हैं तो डिंडियेंडेंट हैं, निराधार हैं, बाबा की मदद है। निश्चय का बल है तो विजय है। सबको पास अपना अच्छा घर है, कुटिया है, हल्लचल में न आयें। अन्दर से अचल-अडोल-एकरस स्थिति बनाने की दृष्टि-वृत्ति अगर मेरी है तो जैसे बाबा से मैंने सबको कुछ पालिया है। सतयुग में न यह नॉलेज होगी, न कोई वर्णन करेंगे। परन्तु वह सतयुगी दुनिया लाने के लिए बाबा अभी रिहर्सल करा रहा है। अभी तो सबको अच्छी सैलेबेशन मिल रही है, सबके पास अपना अच्छा घर है, कुटिया है, शुरु में तो हम सब दादियां इकट्ठे एक ही तरह से रहती थीं। बाबा ने सबके बच्चों के दिल में क्या है? क्या सम्बन्ध में नम्रता है? अगर नम्रचित है तो बड़ा सुखी है। पुरुषार्थ में हिम्मत है तो मदद मिलती है, सेवा में शुभ श्रेष्ठ शक्ति का मान नहीं कर रही है। औरों की भावना है तो सफलता हुई पड़ी है।

हूँ। दीवानी हूँ, मर गई हूँ, मिट गई हूँ, उसके हाथ में देकर हल्के क्यों नहीं यो फिदा हूँ? हमारा बाबा है जादूगर... होते! हल्के बनो तो फरिशते बनो। रोज सबरे एक ही धुन लगाओ-हो जाना है। सचमुच उसने हमें बूझे मेरा बाबा मिल गया। यह अपना जादू लगा दिया... मैं कहती रहा तो सबको लगे इससे कोई जुदा न रह जाए। यह जादू एक-एक जर्नामों का, कर्मों का बन्धन... हरेक के अनेक जर्नामों के अनेक हिसाब-किताब हैं, अपने कर्मों को नहीं कूटे लेकिन एक तरफ खो कर्म, एक तरफ बाबा फिर वर्णन कर नशा चढ़ा दो, बस इसी मस्ती में जुदा न रह जाए। यह जादू एक-एक पर लगे तो अहो भाग्य। भगवान का जादू लगे इनसे बड़ी दुनिया में कोई चीज़ नहीं। आप सब अपने पास हैं यह तो अनेक जर्नामों के अनेक हिसाब-किताब हैं, अपने कर्मों को नहीं कूटे लेकिन एक तरफ खो कर्म, एक तरफ बाबा फिर वर्णन करो भारी कौन? कर्म! कर्म बड़े या कर्म के खाते को

पवित्रता का सुख सबसे श्रेष्ठ सुख है। इसी में ईश्वरीय स्मृति (परमात्मा की याद) की रसना में मन तल्लीन हो जाता है, याद की रसना में डूब जाता है। इस सुख को कई लोग उपाधि कहते हैं, कई ऐक्य अवश्या कहते हैं, कई लवलीन अवश्या कहते हैं,

परमात्मा को कहा जाता है दुःख-हर्ता और सुख-कर्ता। बाबा दुःख भी दूर करता है और सुख भी देता है। इसी प्रकार, आपने दूसरों को दुःख नहीं दिया, बहुत अच्छा परन्तु उनका दुःख दूर करके सुख दिया? हमने पूरे दिन में कोई बुरा काम नहीं किया, निगेटिव नहीं किया, आगे के लिए कोई हिसाब-किताब नहीं बनाया, बोझ नहीं चढ़ाया यह तो अच्छा है लेकिन... आगे के लिए जमा किया...!

वही अतीन्द्रिय सुख है। यह सुख सिर्फ योगी को मिलता है। खाने-पीने से, देखने-करने से जो सुख मिलता है वो यह सुख नहीं, उस सुख को इन्द्रिय सुख कहते हैं। मन को डायरेक्ट परमात्मा से जोड़ने से मन को जो सुख मिलता है इसको इन्द्रियातीत अथवा अतीन्द्रिय सुख कहते हैं। वो सुख केवल संगमयुग के थोड़े से समय में मिलता है। यह सुख अनमोल है, ये कल्प में एक ही बार प्राप्त होता है। जो चीज एक ही बार प्राप्त होती है उसका मूल्य और महत्व बहुत होता है। यह सुख तब मिल सकता है जब आप बाप समान बनें। बाप समान बनने का मतलब है पवित्र बनना और योगी बनना। जीवन में निर्मलता को लाने से ईश्वरीय स्मृति अथवा बाबा की याद में निन्तर रहने से यह अतीन्द्रिय सुख प्राप्त होता है। याद में अन्तर पड़ने से मन की स्थिति में भी अन्तर पड़ जाता है। निन्तर बनाये रखने में बाधायें क्या हैं और उनका निवारण क्या है- इन बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

पढ़ाई में ध्यान रखना और याद रखना बहुत जरूरी होता है। हम बाबा को क्यों भूलते हैं जबकि याद से हमारे जन्म-जन्मान्तर के विकर्म दध होते हैं और हमारा भविष्य भी बनता है? बाबा कहते हैं बच्चे, अपना चार्ट रखो। हम चार्ट में देखते हैं कि हमने किसी को दुःख तो नहीं दिया और किसी से दुःख लिया तो नहीं? ठीक है, दुःख न दिया और न लिया लेकिन सुख दिया? दुःख नहीं दिया तो इसका अर्थ हुआ कि आपने विकर्म नहीं किया। परन्तु सुकर्म किया? परमात्मा को कहा जाता है दुःख-हर्ता और सुख-कर्ता। बाबा दुःख भी दूर करता है और सुख भी देता है। इसी प्रकार, आपने दूसरों को दुःख नहीं दिया, बहुत अच्छा परन्तु उनका दुःख दूर करके सुख दिया? हमने पूरे दिन में कोई बुरा काम नहीं किया, निगेटिव नहीं किया, आगे के लिए कोई हिसाब-किताब नहीं बनाया, बोझ नहीं चढ़ाया यह तो अच्छा है लेकिन आगे के लिए जमा किया? पाप न करके पुराना खाता बढ़ाया नहीं, कम किया लेकिन खाते में पुण्य जमा तो नहीं हुआ। बुरा नहीं किया जिसकी सजा न मिले, भविष्य में जो प्राप्ति होगी वह किस आधार पर होगी? अच्छा करोगे तो अच्छा पाओगे। किसी को अपने मन-वचन-कर्म से मन



छतरपुर-म.प्र। 'खुशियों का बिंग बाजार' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए राजयोगी ब्र.कु. शक्तिराज भाई, मा.आबू, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन, पुलिस उपमहानिरीक्षक विवेक राज सिंह, आरईएस कार्यपालनयंत्री जे.पी. अर्थ, जिला खेल अधिकारी, स्कूल शिक्षा विभाग श्रीकांत द्विवेदी, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्र. 1 के प्राचार्य एस.के. उपाध्याय, दूर संचार विभाग टीटीएस सत्तीदीन प्रजापति, कोषालय अधिकारी जिला पन्ना गौरव गुप्ता, लायसं क्लब अध्यक्ष संजय अग्रवाल, चार्टेड अकाउण्टेंट अरविंद गुप्ता, डॉ. नितेश गुप्ता तथा अन्य गणमान्य लोग।



हल्द्वानी-रामपुर रोड(उत्तराखण्ड)। हल्द्वानी में एक मास के मेले के दौरान ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित आध्यात्मिक चिर प्रदर्शनी में भुवन लाल शाह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, तराई सिंचाई विभाग, नैनीताल, लाल सिंह बिष्ट, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सिंचाई नलकूप खण्ड, रामनगर, अमित जैन, लेकचार, इंटरकॉलेज आदि गणमान्य लोगों को प्रदर्शनी समझाने के पश्चात् उपस्थित हैं ब्र.कु. वीना बहन, ब्र.कु. नीलम बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

अतीन्द्रिय सुख

उसी प्रकार, बाबा ने भी हमें कहा कि शिव बाबा को याद करो, देहधारियों को याद न करो। फिर भी हम शिव बाबा को भूल जाते हैं और देहधारियों को याद करते हैं। क्यों ऐसा होता है?

सब दुकानें किसी-न-किसी दिन बंद होती हैं।



मालोगांव-गुवाहाटी(असम)। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा का उनके 53वें जन्मदिन पर उनके निवास स्थान पर गुलदस्ता भेट कर बधाई देते हुए ब्र.कु. मेधाबती बहन तथा अन्य ब्र.कु. बहनें।



नांदेझ-महा। महिला आयोग महाराष्ट्र की अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर राज्यमंत्री रुपाली ताई चाकणकर का सम्मान करने के साथ ही नांदेझ सिटी, पुणे मीरा सोसायटी ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. ललिता बहन ने उन्हें संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया व संस्थान के अंतराण्टीय मुख्यालय माउंट आबू आगे का निमंत्रण दिया। इस मौके पर 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड्स,लंदन' द्वारा राज्यमंत्री रुपाली चाकणकर को सर्टिफिकेट ऑफ कमिट्टेट,स्वीटजरलैंड देकर राष्ट्रीय सचिव डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके द्वारा सम्मानित किया गया।



बागपत-उ.प्र। दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप राघव को ईश्वरीय सौगात भेट करते हुए ब्र.कु. दीपक भाई, मा.आबू तथा ब्र.कु. गीता बहन। साथ हैं ब्र.कु. भारत भूषण भाई व ब्र.कु. ललिता बहन।



ओलपाड-सूरत(गुज.)। राष्ट्रीय किसान दिवस पर आयोजित स्नैह मिलन कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. तृष्णि बहन, राष्ट्रीय संयोजिका, ग्राम विकास प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज। कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों सहित बड़ी संख्या में किसान भाई-बहनें उपस्थित रहे।



छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र।) ब्रह्माकुमारीज द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर धीम के अंतर्गत महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जी की जयंती एवं बसंत पंचमी की पूर्ण संध्या पर छतरपुर के जाने-माने सहित्यकार काव्य शिरोमणि सुरेन्द्र शर्मा 'शीरीष' जी के सम्मान समारोह में आयोजित काव्य गोष्ठी में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन, बुंदेलखंड के वरिष्ठ साहित्यकारों में श्रीनिवास शुक्ल, भैयालाल व्यास, गंगाप्रसाद बरसेन्या आदि, लक्ष्मण दास सर्वाकर फर्म से ओमप्रकाश अग्रवाल, कवि अशोक नगराच, स्वतंत्र प्रभाकर रावत, प्रमोद सारस्वत, राघवेन्द्र उदैनिया विमल बुदेता, प्रभा विधु, नम्रता जैन, नीतेंद्र परमार, सुरेन्द्र शर्मा 'सुमन', अजय माहन तिवारी, अभिषेक अरजरिया, जीतेन्द्र यादव आदि कविजन सहित प्रो. बहादुर सिंह परमार, वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र अरजरिया, अजय दोसाज, श्याम अग्रवाल, हरि अग्रवाल, सुरेन्द्र अग्रवाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।



हाथरस-उ.प्र। विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर पीड़ितों और कैंसर से जान गंवाने वालों की आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्र.कु. शान्ता बहन सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनें उपस्थित रहे।



इंदौर-म.प्र। नई दुनिया प्रेस द्वारा आयोजित सुप्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर जी के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मोमबत्ती जलाकर लता जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए सदगुरु अन्नाजी महाराज, गुरुसिंह सभा के अध्यक्ष मंजीत सिंह भाटिया, इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरविन्द तिवारी, ब्रह्माकुमारीज संस्थान की ओर से ब्र.कु. हेमलता दीदी व ब्र.कु. अनीता दीदी तथा अन्य गणमान्य लोग।

प्युरिटी का फाउंडेशन हो मजबूत

प्युरिटी क्या है, रॉयलटी क्या है और पर्सनैलिटी क्या है। बाबा ने हम बच्चों की पर्सनैलिटी ही इतनी सुन्दर बना दी। दुनिया में पर्सनैलिटी को बनाने के लिए लोग न जाने क्या-क्या करते हैं? पर्सनैलिटी किसको कहा जाता है दुनिया में? उसमें कौन-सी बातों पर विशेष फोकस करते हैं? केवल बाह्य चेहरे पर, कपड़े पर। क्या पर्सनैलिटी केवल कपड़ा, वस्त्र हैं? या चाल चलन? दुनिया में अगर देखा जाये तो पर्सनैलिटी डेवलपमेंट की बात होती है, उसमें भी कुछ वैल्यूज हैं। क्योंकि आज दुनिया के अन्दर इस पर्सनैलिटी वाले लोग ही अन्य लोगों के ऊपर प्रभाव डाल सकते हैं कि जिसका बोलने में कॉन्फिडेंस (आत्मविश्वास) हो, विल पॉवर (संकल्प शक्ति) हो, बोल्डनेस (साहस) हो, कैसी भी परिस्थितियां हो लेकिन बोल्डनेस हो।

एक फिजिकल पॉवर जिसे कहते हैं इन वैल्यूज को लेकर ही वो समझते हैं कि हाँ, पर्सनैलिटी हमारी बहुत ऊँची है। आजकल दुनिया के अन्दर चेहरे और चलन के ऊपर भी ध्यान देते हैं कि उनकी चाल कैसी है और फिर मौके के हिसाब से वो ड्रेसिंग आदि करते हैं लेकिन मुख्य उनका, भले ही कितना भी बढ़िया कपड़ा पहन लें लेकिन अगर बात करने का सलीका (स्वाभाविक ढंग) न हो, सभ्यता न हो, वो कॉन्फिडेंस न हो, अपने आपमें इफिरियरिटी (हीनता) महसूस करते हों,



रायपुर-छ.ग. 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अखिल भारतीय अधिकारियों के शुभाभ्यंष्म समारोह में मंचासीन हैं भाजपा के प्रदेश उपायक्षम छगन मुंदडा, लोकसभा सांसद सुनील सोनी, ब्रह्माकुमारीजी की क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला दीदी, कुशभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव शर्मा एवं स्थानीय पार्षद अमर बंसल।



एंटीगुआ-बारबुडा होटल रॉयलटन के बॉल रूम में टीम इंडिया अंडर-19 के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में हाई कमिशनर ऑफ इंडिया इन एंटीगुआ एंड बारबुडा डॉ. के.जे. श्रीनिवास एवं श्रीमति अश्विनी जी.एस., ब्र.कु. डॉ. पायल, गवर्नर जनरल ऑफ एंटीगुआ एंड बारबुडा सर रॉडनी विलियम्स, वेस्ट इंडीज क्रिकेट के पासे दिग्जों सर रिचर्डसन, सर पंडी रंबर्टस, सर कर्टली एक्सेस आदि, सी.डब्ल्यू.आई. के अध्यक्ष रिकी स्केटरिट सहित अर्डिसीसी और क्रिकेट वेस्ट इंडीज के अधिकारी, राजनयिक दूतवर्ग, मंत्री तथा अन्य गणपात्र व्यक्तियों सहित इंडियन अंडर-19 की पूरी टीम के साथ-साथ बीसीसीआई के चयनकर्ता और वीवीएस लक्षण, कानिटकर, बहुतुल जैसे महान खिलाड़ी भी शामिल रहे।



सारंगपुर-म.प्र. बसंत पंचमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्ञालित करते हुए लायस क्लब के रीजन चेयरपर्सन महेश शर्मा, राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के वरिष्ठ पत्रकार संतोष पुष्पद, पर्यावरण प्रेमी दल सदस्य एल.एन. त्रिकार, पेंशनर संघ अध्यक्ष नंदकिशोर सोनी, वरिष्ठ व्यापारी दिनेश राठौर, समाजसेवी रामनारायण पुष्पद, रिटा. प्रिंसीपल पी.एस. पांडेय, न्याय विभाग के अनिल गुरा, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भाग्यलक्ष्मी बहन तथा अन्य।



मुबाइ-घाटकोपरा ब्रह्माकुमारीज के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दीप विवरण के अंतर्गत स्थानीय ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र में 'माई इंडिया-हेल्दी इंडिया' के तहत कैसर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अंतर्गत स्थानीय ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र में 'माई इंडिया-हेल्दी इंडिया' के तहत कैसर अवेरनेस एंड स्क्रीनिंग कैम्प' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. खुशीद मस्ती, पैलिएटिव केयर स्पेशलिस्ट, एन.के. धधार कैसर फाउंडेशन तथा उनकी पूरी टीम, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. विष्णु बहन, राजयोगिनी ब्र.कु. नलिनी दीदी तथा बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें व अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।



दिल्ली-इंद्रप्रस्ती 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा आयोजित 'रंगोली प्रतियोगिता' में ब्रह्माकुमारीज के इंद्रप्रस्ती सेवाकेन्द्र ने भाग लेते हुए लगभग 22 फुट लंबी, 19 फुट चौड़ी, लगभग 418 वार्षिक की रंगोली बनाई। इस रंगोली में भारत को विश्व गुरु के रूप में दर्शाया हुए, आतंकवाद, प्रस्तावना इत्यादि से परमाम शक्तियों द्वारा छुटकारा पाता हुआ राजयोगी का चित्र, भारत की समृद्धि को दर्शाती सोने की चिंगिया, 10000 से ज्यादा शहीदों की याद में बनाया गया स्मारक 'ईंडिया गेट', सरहद पर सुरक्षा करने वाले वीर जवानों की हाथ में दिया लिये सलामती की कामना करने वाली भारतीय नारी, आजादी के अमृत महोत्सव के प्रतीक रूप में अंकों में लिया वर्ताये जाने वाली भारतीय नारी, आजादी के अमृत महोत्सव के प्रतीक रूप में अंकों में लिया वर्ताया गया। इस रंगोली को मात्र दो दिन में करीब



बहादुरगढ़-हरियाणा ब्रह्माकुमारीज द्वारा सोमानी सिसामिक्स लि. कसरा, बहादुरगढ़ में 'वर्क लाइफ बैलेंस' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की स्थानीय मुख्य संचालिका ब्र.कु. अंजली दीदी एवं ब्र.कु. विनाता दीदी के नेतृत्व में ब्र.कु. संदीप भाई व ब्र.कु. दीपा दीदी ने कर्मचारियों को सम्बोधित किया। इस मोक्ष पर ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, ब्र.कु. उमा, ब्र.कु. इंदु, ब्र.कु. लवकेश भाई, ब्र.कु. रत्न वाई, कंपनी के एच.आर. डियार्टमेंट से विनोद जी व आदेश जी उपस्थित रहे।



धौलपुर-राज. स्वतंत्र लेखक ब्र.कु. डॉ. पवित्र कुमार शर्मा को विभिन्न पुस्तकों के लेखन एवं प्रकाशन के लिए गणतान्त्र दिवस पर सम्मानित करते हुए जिला कलेक्टर राकेश कुमार जायसवाल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मुद्रण एवं लेखन समग्री राज्य मंत्री जाहिदा खान एवं पुलिस अधीक्षक शिवराज सिंह।



बिलासपुर-रघु विहार(छ.ग.) भारतीय थल सेना दिवस पर ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उसलापुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. छाया दीदी, तालापारा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रमा दीदी, मोडेंटेशन मेमोरी ट्रेनर ब्र.कु. विकास भाई, बिलासपुर के डॉर्टाइजी लक्ष्मी नारायण मिश्रा, कमांडेंट रामविलास गुप्ता, डिप्टी कमांडेंट, सेंकेंड इनकमांडेंट, असिस्टेंट कमांडेंट तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित तीसरे से अधिक सीआरपीएफ के जवान उपस्थित रहे।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु समर्पक करें....

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न - 5, आबू रो (राज.) 307510
सम्पर्क - M- 9414006096, 9414182088, Email-omshantimedia@bkvv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - रुपी 200 रुपये, विदेश - रुपी 600 रुपये, कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मौजूद करें। बैंक ड्राफ्ट (प्रेषिल एवं शान्तिवन, आबू रो) द्वारा भेजें।

For Online Transfer

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA (SBI)
ACCOUNT NO:- 30826907041
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
IFSC - CODE - SBIN0010638
BRANCH:- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya Vishwa Vidhyalya, Shantivan
Note:- After Transfer send detail on E-Mail -omshantimedia.acct@bkvv.org or WhatsApp, Telegram No.: 9414172087

ALL-IN-ONE QR

Paytm
Accepted Here
Wallet KYC NOT Required

Scan & Pay using Paytm App

Wallet or Bank A/c
 Any Debit or Credit Card



राजयोगिनी गीता दीदी, व्यापार और उद्योग प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका

अगर हम अपने को देखें, अपनी चेकिंग करें कि अब तक अगर हमारा व्यर्थ हमारे मुख से भी चल रहा है, मन से भी चल रहा है तो इसका अर्थ ये है कि हमें ये नीची, हल्की, क्षुद्र बातों से वैराग्य नहीं आया है। इसीलिए हम उंचाई में स्थित नहीं हो पाते हैं। और बार-बार नीची, हल्की, तुल्लक बातों में चले जाते हैं। वैराग्य अन्दर से हो कि भगवान् इतना ऊंचा उठा रहा है और मैं फिर-फिर हल्की, नीची स्थिति में क्यों आ जाती हूँ! हम अपने आप से बातें करें कि मैं हल्की क्रालिटी की हूँ क्या? क्यों मैं इतनी हल्की बातों में जाती हूँ! ज़रूर मैं लक्ष्य के प्रति एकमात्र नहीं हूँ। वो धुन, वो लगन, वो मस्ती है नहीं जिसके कारण आस-पास की बातें दिखाई देती हैं।

वो लगन, एक धुन, एकाग्रता, मस्ती नहीं है इसलिए इसकी-उसकी, इधर की-उधर की, आग की, पीछे की, ऊंची-नीची सब बातें दिखाई देती हैं। तो वो एकाग्रता हमारी ज़रूरी है। जो हमारी दिलचस्पी है हल्की बातों में जाने में, जानने में, क्योंकि जानेंगे तो विचार चलेगा। ऐसी बातें जिनको जानना ज़रूरी नहीं है, जिनसे कोई फायदा नहीं है बताओ-बताओ मुझे बताओ, मुझे नहीं पता है, क्या है, उसमें इतनी दिलचस्पी। और बाबा जो मुख्य बातें बतायेंगे उसमें दिलचस्पी नहीं, तो अपने इंटरेस्ट (दिलचस्पी) को चेक करिए कि सच में मुझे अपने आप में, अपने बाबा में, अपने लक्ष्य में उसमें मुझे सच

समय को सफल करें और संकल्पों को श्रेष्ठ बनायें

में इंटरेस्ट है? बार-बार अपने से पूछो और बार-बार अपने को समझाना है कि मुझे उसी में दिलचस्पी रखनी चाहिए क्योंकि मैंने वो ही क्षेत्र लिया है। जब मैंने यही क्षेत्र लिया है तो मुझे उसी में मस्त रहना है। क्यों मुझे और-और बातें खींचें, फिर-फिर समझाओ। क्योंकि दूसरों को दूसरी दिशाओं में जाता देखकर, दूसरों को और बातें करते देखकर हम खींच जाते हैं। हम भी बह जाते हैं, आकर्षित हो जाते हैं। दो कोई बात कर रहे हैं तो हमारा भी ध्यान उसमें जायेगा। दस लोग जो बात कर रहे हैं हम भी वो मानने को तैयार हो जाते हैं। इसका मतलब ये है कि ज्ञान से जो सद्विवेक, दिव्य बुद्धि मुझे प्राप्त करनी चाहिए वो अभी

कम की है। इसलिए दूसरों की बात, राय, कर्म उस दिशा में खींच रहे हैं। तो बाबा की याद से, ज्ञान की गहराई से, दिव्य बुद्धि, सद्विवेक हम ज्यादा से ज्यादा प्राप्त करें। ताकि मैं श्रीमत में अचल-अडाल होकर चलूँ।

परमत, मनमत, परसंग मुझे खींचे नहीं और एक कारण संकल्प व्यर्थ होने का है वो है खुद के संस्कारों से खुद को जो विकारी या व्यर्थ विचार आते हैं, माया के तूफान जिसको बाबा कहते हैं, मन में बहुत तूफान आते हैं वो कर्म

से न करो। लेकिन मन में ये विकारी विचार, व्यर्थ विचार आते हैं मतलब अभी तक अन्दर गंदगी है। मैंने अन्दर से खुद को परा साफ नहीं किया है। इसलिए विकारी विचारों के रूप में मनसा को व्यर्थ करते हैं। ज्ञान-योग की जमा शक्ति व्यर्थ करते हैं, तो आवश्यक है मन की शुद्धि, स्मृति की शुद्धि, फीलिंग की शुद्धि, संस्कार की शुद्धि, अन्दर की सफाई जो अभी ही हम कर सकते हैं। बाबा ही करा सकता है। तो अगर ये सब बातें हम ध्यान रखेंगे तो हमारा मन ऑटोमेटिक श्रेष्ठ होगा और अन्दर से इतनी ऊंची प्राप्ति करेगा कि उनकी वाणी में संयम आयेगा, जो बाबा ने कहा ना कि सोच के बोलेंगे, तोल के बोलेंगे, उनकी ऊंची प्राप्ति करेगा। बोलेंगे, तोल के बोलेंगे, उनकी वाणी में संयम आयेगा। जो बाबा ने कहा ना कि सोच के बोलेंगे, वाणी वेस्ट नहीं करेंगे।

अगर वो चीज़ कर ली तो फिर इतनी ऑटोमेटिक प्राप्तियां हैं कि हम अनेक आत्माओं को बाबा की तरफ खींच सकेंगे, प्राप्ति करा सकेंगे। अनुभव करा सकेंगे। इसीलिए ये दो बातें बाबा ने संदेश में भी कही थी कि समय को सफल करें और संकल्पों को श्रेष्ठ बनायें।



टोहाना-हरियाणा पंचायत एवं विकास राज्यमंत्री देवेन्द्र सिंह बबली को ईश्वरीय सौगत भेंट करते हुए ब्र.कु. वंदना बहन एवं ब्र.कु. कौशल्या बहन। साथ हैं ब्र.कु. खुशीराम भाई।



जयपुर-वैशाली नगर(राज.) 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज द्वारा एडमिनिस्ट्रेटर्स, मैनेजर्स एवं एक्जीक्युटिव्स के लिए आयोजित बैठकिनार में ब्र.कु. आशा दीदी, चेयरपर्सन, एडमिनिस्ट्रेटर्स विंग एंड डायरेक्टर, और आसी गुरुग्राम, ब्र.कु. सुषमा दीदी, उपक्षेत्रीय निदेशिका, जयपुर म्युजियम, ब्र.कु. चन्द्रकला दीदी, मंजू राजपाल, आईएएस, जे.सी. मोहन्सी, आईएएस, लगभग 150 आईएएस ऑफिसर्स, सीनियर एडवोकेट्स, जजेस, आरएएस व एडमिन ऑफिसर्स शामिल हुए।



पुणे-स्विवार पेठ(महा.) ब्रह्माकुमारीज के धार्मिक प्रभाग द्वारा स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान थीम को लेकर शिर्पिंग एवं टूरिज्म विंग द्वारा मेरा देश मेरी शान, मेरी संस्कृति मेरी पहचान' प्रोजेक्ट के अंतर्गत यांत्रिक 'वैशालीगा एवं शुद्ध आहा' विषयक कार्यक्रम का दीप प्रज्ञलित कर उद्घाटन करते हुए ब्रह्माकुमारीज की जिला संचालिका ब्र.कु. मधु बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. वैशाली बहन, भाजपा महिला मोर्चा की जिला महामंडी नीलम संस्करण, नवदय विद्यालय के प्रिन्सीपल गिरीश सकरेना, समाजसेवी कमल सकरेना तथा महिला कार्यपाल की जिला अध्यक्ष नील दुले।



नवसारी-मरोली(गुज.) ब्रह्माकुमारीज द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मरोली ग्राम सरपंच धर्मेश भाई पटेल को ईश्वरीय सौगत भेंट करते हुए ब्र.कु. मुकेश बहन। साथ हैं उपसरपंच देवल भट्ट।



सूरत-उधना(गुज.) ब्रह्माकुमारीज पाठशाला में आयोजित कार्यक्रम में गुजराती एवं भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री चांदनी चोपरा को ईश्वरीय सौगत भेंट करते हुए ब्र.कु. कौशिका बहन, ब्र.कु. दीपा बहन तथा ब्र.कु. रचना बहन।



रायगढ़-छ.ग। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. चित्रा दीदी, सारंगगढ़ सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कंचन बहन, ब्र.कु. राधिका बहन, ब्र.कु. नीलू बहन, शिव अग्रवाल, अध्यक्ष, जिला चावल उद्योग संघ जांजगीर चम्पा छ.ग. सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनें उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज के आगामी कार्यक्रम बाइक रैली, महिला सशक्तिकरण आदि कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।



पांचोर-राजगढ़(म.प्र.) 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान थीम को लेकर शिर्पिंग एवं टूरिज्म विंग द्वारा मेरा देश मेरी शान, मेरी संस्कृति मेरी पहचान' प्रोजेक्ट के अंतर्गत यांत्रिक 'वैशालीगा एवं शुद्ध आहा' विषयक कार्यक्रम का दीप प्रज्ञलित कर उद्घाटन करते हुए ब्रह्माकुमारीज की जिला संचालिका ब्र.कु. मधु बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. वैशाली बहन, भाजपा महिला मोर्चा की जिला महामंडी नीलम संस्करण, नवदय विद्यालय के प्रिन्सीपल गिरीश सकरेना, समाजसेवी कमल सकरेना तथा महिला कार्यपाल की जिला अध्यक्ष नील दुले।



इंदौर-बैराठी कालोनी(म.प्र.) 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम में अभ्यन्तरीन विषयक कार्यक्रम का दीप प्रज्ञलित कर उद्घाटन करते हुए ब्रह्माकुमारीज की जिला संचालिका ब्र.कु. दीपेन्द्र, ब्र.कु. रामकृष्ण, प्रभाकर राम, रसड़ा ब्लॉक प्रमुख, ब्र.कु. गीता दीदी, ब्र.कु. सोम दीदी, ब्र.कु. रंजना दीदी, ब्र.कु. उमा दीदी तथा अन्य ब्र.कु. बहनें।



मक्ताई-नगर-महा। सेवाकेन्द्र पर बच्चों के लिए मूल्य आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बच्चों के साथ ब्र.कु. सुषमा। कार्यक्रम में 55 बच्चों ने भाग लिया।

तंदरुस्ती को बनाए रखने में उबले आलू का भी है अहम रोल

सब्जियों का सेवन तो सभी करते हैं। लेकिन सदाबहार सब्जी मानी जाने वाली आलू के सेवन करने में अलग ही स्वाद आता है। आलू एकमात्र ऐसी सब्जी है, जो किसी भी सब्जी के साथ आसानी से मिलकर उसका स्वाद बढ़ा देती है। लेकिन बहुत से लोग आलू खाने से परहेज करते हैं। क्योंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट्स की अधिक मात्रा पाई जाती है। डायबिटीज के मरीज इसके सेवन से परहेज करें तो समझ आता है, लेकिन बाकी लोगों के लिए आलू बेहद फायदेमंद आहर है। आलू का सेवन करने से आपको मैग्नीशियम और कार्बोहाइड्रेट्स भरपूर मात्रा में प्राप्त होते हैं। यही नहीं आलू कैल्शियम, विटामिन और मैग्नीशियम का भी बहुत अच्छा स्रोत माना जाता है।

उबले आलू में मौजूद पोषक तत्व

इसमें कई ऐसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखते हैं। आलू में पोटेशियम, विटामिन्स, फॉस्फोरस, मिनरल्स, कैल्शियम, मैग्नीशियम आदि पोषक तत्व होते हैं। ये सभी हानिकारक फंगस, बैक्टीरिया, कीटाणुओं से लड़ने में शरीर में मदद करते हैं। एक छिलका सहित बड़े उबले हुए आलू में विटामिन बी कॉम्प्लेक्स अधिक होता है, जो शरीर को ब्लड सेल्स के निर्माण में मदद करता है और आप जो भी खाते हैं उनमें मौजूद प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स फैट से एनर्जी का निर्माण करता है। उबले हुए आलू से आप प्रतिदिन विटामिन बी6, 30 प्रतिशत नियासिन, थियासिन प्राप्त करते हैं। जब आप छिल्का उतारकर आलू उबलते हैं तो उसमें मौजूद विटामिन सी की आधी मात्रा खो देते हैं।

उबले आलू और साधारण आलू में फर्क

आलू को खाने के कई तरीके हैं जैसे भूतकर खाना, उबालकर खाना, पकाकर खाना और फ्राई करके खाना। इनमें से सबसे बेहतर तरीका आलू को उबालकर खाना है क्योंकि बाकी सभी तरीकों से आलू का सेवन करने पर कई पोषक तत्व



स्वास्थ्य

नष्ट हो जाते हैं। लेकिन उबालकर खाने पर इसमें से केवल विटामिन सी की मात्रा ही नष्ट होती है। साधारण आलू कार्बोहाइड्रेट और फाइबर समेत विटामिन सी और विटामिन बी, पोटेशियम और मैग्नीज का एक अच्छा स्रोत है, लेकिन आलू को उबालने से अधिक स्टार्च कम हो जाता है। यदि आप लो कार्ब डाइट फॉलो कर रहे हैं तो उबले आलू का सेवन जरूर करें। उबले आलू का वजन साधारण आलू से ज्यादा होता है क्योंकि यह उबलते समय पानी को सोख लेता है। अब आइये जानते हैं उबले आलू के फायदों के बारे में...

2. विटामिन से भरपूर

उबले हुए आलू में विटामिन बी और विटामिन सी भरपूर मात्रा में होते हैं। विटामिन बी हमारे शरीर के विकास में अहम भूमिका निभाता है। यह हमारे शरीर की कार्यक्रमों को सहायक होता है। मनोदशा ठीक करने और दिमाग की कार्यक्षमता मजबूत करने के लिए उबले आलू खाना एक अच्छा विकल्प है।

1. उबले घटाने में

वजन घटाने के लिए आलू को उबालकर खाना बहुत ही कारगर माना जाता है। उबले आलू में कैलोरी कारंट काफी कम होता है, जिसकी वजह से शरीर में जमा हुआ एक्स्ट्रा फैट घटता है। उबले आलू को बिना तले या भुने खाया जाए तो यह वजन घटाने में काफी मददगार साबित होता है। इस आलू का सेवन करने से पेट हमेशा भरा-भरा लगता है, जिससे भूख भी कम लगती

में एनर्जी का लेवल भी बढ़ता है। विटामिन सी की मौजूदगी हमारे रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। आलू में मौजूद विटामिन बी 6 हमें कई रोगों से बचाता है जैसे शरीर में कैसर के खतरे को कम कर देता है। और रक्त कोशिकाओं को बढ़ाता है। ऐसे ही और भी कई रोगों से लड़ने में विटामिन बी और विटामिन सी हमारे लिए मददगार हैं।

3. ब्रेन के विकास में मददगार

आलू को उबालने पर उसका टॉक्सिक स्टार्च निकल जाता है। उबले आलू में मौजूद विटामिन्स, फाइबर्स, मिनरल्स दिमाग के विकास में बहुत मददगार होते हैं। खासकर विटामिन बी 6 ब्रेन और नर्वस सिस्टम के संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। उबले आलू को हम मठ बूस्टर भी कह सकते हैं। यह सिरोटीनिन और नर्पाइनफ्रिन नामक हार्मोन्स बनाने में शरीर की मदद करते हैं। उबले आलू खाने से दिमाग के नये सेल्स का उतारदान होता है। साथ ही उबले आलू का सेवन एंजिंग ब्रेन की क्षमता को मजबूत बनाने में सहायक होता है। मनोदशा ठीक करने और दिमाग की कार्यक्षमता मजबूत करने के लिए उबले आलू खाना एक अच्छा विकल्प है।

4. मसल्स बनाने में मददगार

वर्कआउट करने से पहले यदि उबले आलू का सेवन किया जाए तो शरीर में फूर्ति आती है। मात्र दो उबले आलू का सलाद खाने से आपका शरीर ऊर्जा से भर जायेगा। इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट्स शरीर में अवशोषित होकर आपकी मसल्स को वर्कआउट करने की ताकत देते हैं। इससे मसल्स बिल्डिंग के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। जिम जाने वाले लोग भी इसे वर्कआउट से पहले खाना पसंद करते हैं। हालांकि आप इसका सेवन वर्कआउट के बाद भी कर सकते हैं।

5. हृदय के लिए फायदेमंद उबले आलू में हाई पोटेशियम होने के कारण यह हृदय को स्वस्थ रखने के लिए अहम भूमिका निभाता है। कई शोधों से पता चला है कि हाई पोटेशियम इन्टेरक्से पर्ट ब्लड प्रेशर का खतरा कम होता है। वहीं आलू में पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो आपके हृदय को स्वस्थ रखता है। यही नहीं इसके सेवन से आप कई हृदय रोगों के खतरे जैसे स्ट्रोक, हार्ट फेलियर, हार्ट अटैक आदि यह आपके शरीर के सभी अंगों तक रक्त को स्वाच्छ रूप से संचार करने में मदद करता है।

6. पाचन में मददगार

उबला आलू पाचन तंत्र में जाकर आसानी से पच जाता है। उबला आलू फाइबर से भरपूर होता है और पाचन किया को सुचारू रूप से काम करने में मदद करता है। इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट्स पचने में बहुत आसान होते हैं। उबला आलू खाने से आपको कब्ज की समस्या भी नहीं होती है। इसके सेवन से आपकी आंत स्वस्थ रहती है और इसके एंटी ऑक्सीडेंट गुण आपके पेट से लेकर आंतों के विषेश पदार्थों को बाहर निकाल देते हैं।

7. हाइड्रोजों के लिए कारगर

उबले आलू में कैल्शियम की मात्रा अधिक पाई जाती है जो हमारी हाइड्रोजों की मजबूती के लिए कारगर साबित होता है। कैल्शियम के साथ-साथ उबले आलू में आयरन, फास्फोरस, मैग्नीशियम और जिंक बोन स्ट्रक्चर यानी कि हाइड्रोजों कमजोर हैं तो आलू को उबालकर खाना शुरू कर दें। उबले आलू का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। आलू को उबालकर खाने पर शरीर में कई पोषक तत्व पहुंचते हैं। अगर आप भी वजन घटाना चाहते हैं तो आलू को उबालकर जरूर खाएं।



खजुराहो-म.प्र। ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित शिक्षकों के स्नेह मिलन कार्यक्रम में खजुराहो हाई सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाध्यापक अर्जुन सिंह, लिटिल एंजेल पब्लिक स्कूल से राजनगर स्कूल के प्रधानाध्यापक राजेन्द्र सोनी, गायत्री स्कूल के प्रधानाध्यापक नरेश नामदेव तथा अन्य शिक्षक गणों सहित स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या बहन, छत्तरपुर सेवाकेन्द्र से आई ब्र.कु. रीना बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।



नवापारा-राजिम(छ.ग.)। बसंत पंचमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में इंदौर से ब्रह्माकुमारीज धार्मिक प्रभाग के ज्ञोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. नारायण भाई, ब्र.कु. पुष्पा बहन, ब्र.कु. प्रिया बहन, समाजसेवी रुचि बहन, शिक्षक हेमंत साहू ब बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें व शहरवासी उपस्थित रहे।



रावतभाटा-राज। 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान एवं मानवता के संरक्षक' कार्यक्रम के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज के समाज सेवा प्रभाग द्वारा आरपीएस कॉलोनी ओल्ड एफ 5 में 'दीप से दीप जलाओ' प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया गया। इसी दौरान आरपीएस कॉलोनी में ब्रह्माकुमारीज के नये सेवाकेन्द्र का भी उद्घाटन किया गया। अभियान के अंतर्गत पूरे वर्ष विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस मौके पर राजयोगीनी ब्र.कु. शांता दीदी, हैवी वॉटर प्लांट के जी.एम. के.वी. ताले, समाजसेवी वंदना शर्मा, माडण अबू से ब्र.कु. वीरेन्द्र भाई, ब्र.कु. हरीश भाई, रावतभाटा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अंकिता दीदी, ब्र.कु. शिवानी बहन, कैलाश भाई, आरपीपी 78, ब्र.कु. अंजू बहन सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।



तलेन-म.प्र। बसंत पंचमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए नगर अध्यक्ष संजीव भट्ट, एच.एम. अधिकारी हजारी लाल मालवीय, पूर्व नगर अध्यक्ष चंद्र सिंह यादव, पत्रकार मुकेश यादव, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण यादव, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी एवं ब्र.कु. देव दीदी।



सोमपायाजुलपल्ली-आ.प्र। 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत लोड्हीपल्ली, ओरवाकल्लु मंडल, कुरुनूल में आयोजित कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु. राधाकृष्णा, डॉ. बायरेड्डी शार्दी, स्टेट जनरल सेक्रेट्री बी.वाय.जे.ए.म., आ.प्र. स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर, यंग लीडर, ए.पी.बी.जे.पी., सरपंच, नाट्यमयुरी, ब्र.कु. लिखिताश्री तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।



शाहगढ़-म.प्र। 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान थीम के अंतर्गत 'महिलाएं : नए भारत की ध्वनि' विषयक कार्यक्रम में छत्तरपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन, ब्र.कु. कल्पना बहन, ब्र.कु. दीपा तथा ब्र.कु. रेखा।

कोई हमें हर्ट नहीं कर सकता



ब्र.कु. शिवानी, जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञा

दिन भर में हम कितने लोगों से मिलते हैं। जॉब पर जाते हैं तब, पड़ोस में या फिर किसी अन्य कार्यक्रम में। हरेक का बात करने का तरीका अलग-अलग होता है। हरेक का व्यवहार अलग होता है। लोग हमारे साथ कैसे बात करते हैं ये उनकी च्वाइस है। उनकी बात सुनने के बाद हम खुद से कैसे बात करते हैं, ये हमारी च्वाइस है। और अगर हम अपने आप से अच्छी बात करेंगे तो कोई भी हमारे मन की स्थिति को हिला नहीं सकता। वो केवल खुद को हिला सकते हैं। हमारे मन की स्थिति को कोई हिला नहीं सकता। उसका संयं सिर्फ और सिर्फ हमारे हाथ में है। हम स्वराज्य वाली आत्मा हैं। खुद पर राज्य करने वाली आत्मा हैं तो हमें हर्ट कौन करता है? उंगली रखिये हमें हर्ट कौन करता है? हम खुद ही खुद को हर्ट करते हैं। इसीलिए किसी और को क्षमा करने की तो बात ही नहीं। हमें क्षमा किसको करना है? हमें क्षमा अपने आप को करना है। हमने खुद को इतनी गलत बातें सुना-सुना के इतना सारा दुःख दे दिया, इसीलिए ज्ञान, अध्यात्म, ध्यान, मेडिटेशन हमें ताकत देता है कि हर परिस्थिति में और हरेक के व्यवहार में हम अन्दर खुद से सही सोचें और सही बोलें। हम उनको चेंज नहीं कर सकते, हम उनको कंट्रोल भी नहीं कर सकते लेकिन उनके व्यवहार में हमें कैसा सोचना है वो कम्प्लीटली हमारी च्वाइस है।

संयम खुद पर चाहिए, कभी-कभी फिर भी दो लोगों के बीच मतभेद हो जाता है। राय में अन्तर आ जाता है। कभी-कभी छोटी सी बहस भी हो जाती है। तो आजकल एक नया रिवाज निकला है, अगर कुछ बात हो जाती है तो कुछ देर के लिए एक-दूसरे से बात करना बंद कर देते हैं। ये संस्कार बहुतों में हैं लेकिन सबका बात बंद करने का समयांतराल एक जैसा नहीं होगा। कोई एक



बीदर-कर्नाटक। सावित्रीबाई फुले जयंती समारोह के उपलक्ष्य में कर्नाटक सावित्रीबाई फुले शिक्षिका संघ बोर्ड की ओर से शिक्षिकाओं के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्रह्माकुमारीजी की वरिष्ठ राज्योग शिक्षिका ब्र.कु. सुनंदा दीदी, सारिका एस. गंगा, जिला अध्यक्ष, बीदर विभाग तथा राज्य प्रमुख, हाई स्कूल शिक्षिका समिति तथा सावित्रीबाई फुले शिक्षिका संघ, धारवाड़ विभाग, गीता गड्डी, असिस्टेंट डायरेक्टर, मिड डे मील, तालुका पंचायत, बीदर, राजेन्द्र गंदगे, सूर्यकांत मदाने, बीईओ बीदर, सुरेश चन्ना शेट्टी, अध्यक्ष, कन्नडा साहित्य सम्मेलन तथा अन्य गणमान्य लोग।



ग्वालियर-म.प्र। ब्रह्माकुमारीज के स्थानीय पुराना हाई कोर्ट लेन खूबी की बजिया स्थित सेवाकेन्द्र पर 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत नगर निगम ग्वालियर वॉर्ड ५७ के सभी सफाई मित्रों का सम्मान किया गया। साथ ही डब्ल्यू.एच.ओ. दीपक खेर, लोकेन्द्र चिन्नालिया सहित लगभग ४० सफाई मित्रों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर नगर निगम उपायुक्त अतिवल सिंह यादव, लश्कर सेवाकेन्द्र संचालिका एवं स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर ब्र.कु. आदर्श बहन, ब्रांड एम्बेसेडर ब्र.कु. प्रह्लाद भाई, वार्ड मॉनिटर बी.के. गुप्ता, ब्रांड एम्बेसेडर ब्र.कु. डॉ. गुरचरण सिंह आदि उपस्थित रहे।



जयपुर-सोडाला(राज.)। बसंत पंचमी के अवसर पर 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गोविंद मुरारी पाठक, मास्टर वॉरंट ऑफिसर, एयर फोर्स, चांद सैनी, काउंसलर, वॉर्ड नं १४३, पॉर्टिंग कैलाश चंद्र मोथिया, युजिक प्रिन्सीपल, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. स्नेह दीदी तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।



बारडोली-गुज.। जैन समाज के व्यसन मुक्ति कार्यक्रम में ब्र.कु. जयश्री बहन द्वारा सम्बोधित किये जाने के पश्चात् समूह चित्र में उनके साथ हैं अध्यक्ष पायल बहन, उपाध्यक्ष अंकुर मेहता तथा जैन परिवार।



बांसवाहा-छत्तरपुर(म.प्र.)। 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत 'महिलाएं-नए भारत की छजवाहक' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में छत्तरपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन, परियोजना अधिकारी हेमलता बहन, ब्र.कु. रमा बहन, ब्र.कु. भरती बहन तथा अंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहित लगभग २५० महिलाओं उपस्थित रहे।



करना बंद कर देते हैं। कल वो हमारे से बात करना बंद करेंगे जब हम उनकी बात नहीं मानेंगे। ये वो रिश्ते हैं जिनके लिए हम कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं। लेकिन बात करना बंद करके हम खुद को दुःख देते हैं और खुद के शरीर को बीमारी देते हैं। उनकी आत्मा को दुःख देते हैं, उनके शरीर को दुःख देते हैं। घर की एनर्जी को घटाते हैं और घर के बच्चों पर उसका असर होता है, क्योंकि उस समय हमारा अहंकार हमारे रिश्तों से ऊपर हो जाता है। कभी चेक किया कि कितनी लाइनें हम बार-बार अपने आपको सुनाते हैं और फिर सुना-सुना के भारी हो जाते हैं और फिर कहते हैं कि मुझे किसी से बात करनी होगी फिर किसी और कौन भी सुनाते हैं। इतनी सारी निगेटिव लाइनें बोल-बोल के मन को दुःखी करके फिर हम कहते हैं कि उन्होंने मुझे हर्ट किया। उन्होंने तो सिर्फ एक लाइन बोली थी लेकिन हमने उसके बाद अपने आपको पूरा पेज सुना दिया। उन्होंने तो नाशते पर सिर्फ यही कहा था कि आप अच्छा बनाते हो लेकिन मेरी मम्मी का इससे ज़्यादा अच्छा बना करता था।

सच ही तो बोला था। अपना सच ही उनका, वो बोल कर चले गए। हमने पूरा दिन अपने आपको लाइनें सुनाई, इतनी मेहनत करो तो भी ये ही सुनने को मिलता है। इतना अच्छा लगता है मम्मी का तो मम्मी को ही बोलो ना नाशता बनाने के लिए। मुझे क्या ज़रूरत है रोज़ सुबह-सुबह उठ के नाशता बनाने की। शुरु हो जाते हैं कि कोई मुझसे प्यार नहीं करता, कोई मेरी वैल्यू नहीं करता, मैं कितना भी कर लूँ जो आता है मन में मेरे को आके बोल के... करते जाते हैं, करते जाते हैं और फिर कहते हैं उसने मुझे हर्ट किया। लोग हमें हर्ट नहीं कर सकते, हम खुद ही खुद को हर्ट करते हैं।

यह जीवन है

सुख-दुःख जीवन का एक हिस्सा मात्र होते हैं, पूरा जीवन नहीं अर्थात् जीवन में हमारी मानसिक अवस्था ही सबसे महत्वपूर्ण होती है, हालात और हमारी मानसिक अवस्था दोनों अलग-अलग चीजें हैं। अतः जीवन का सच्चा सुख हम तभी ले सकते हैं, जब हम हालात से अपनी अवस्था को सदा ऊपर रख सकें। इसके लिए हमें हमेशा ये ध्यान रखना है कि हमारे आस-पास ज्यादा से ज्यादा ऐसे लोगों का समूह हो, जो हमारे आस-पास खुशनुमा माहौल बनाये रखते हैं, तभी हम वास्तव में खुशहाल जीवन जी सकेंगे, अन्यथा सबकुछ होते हुए भी जीवन में खालीपन का अनुभव होता रहेगा।



दुर्ग-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज द्वारा दुर्ग अधिवक्ता संघ की नवनिर्वाचित अध्यक्षा नीता जैन के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में वे अपने विचार रखते हुए। मंचासीन हैं स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रीता बहन तथा अन्य।



झोड़ूकलां-हरियाणा। ग्राम पंचायत झोड़ूकलां द्वारा विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम अंडर-१९ में शामिल गांव के खिलाड़ी गर्व संगवान के सम्मान सामारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किये जाने पर अपने आशीर्वाद देने के पश्चात् गर्व संगवान को इश्वरीय सौगंध भेट करते हुए ब्र.कु. वसुधा बहन व ब्र.कु. ज्योति बहन। इस मौके पर गांव के सरपंच दलवीर गांधी, खाता तेह के प्रधान सुरजभान, पूर्व सरपंच राजेश सांगवान, समाजसेवी सुरेश पहलवान, अशोक बर्टी, पूर्व सरपंच बलजीत सिंह, रिटा। कर्नल बलबीर सिंह, पार्षद अजय नंबरदार आदि उपस्थित रहे।

परमात्म ऊर्जा

स्वयं को, सर्व को संतुष्ट करने वाले संतुष्ट मणियां बनो

1. सदा स्वयं को, सर्व को संतुष्ट करने वाले 'संतुष्ट मणियाँ' बनना है। 2. स्वयं के पुरुषार्थ प्रति, सेवा प्रति व संगठन में एक-दो के प्रति सदा विशाल बुद्धि। हद की बुद्धि में नहीं आना। मैं यह चाहती, मेरा तो यह विचार है, यह विशालता नहीं है। जहाँ मैजोरिटी वेरीफाय करते, निमित्त बने हुए वेरीफाय करते, तो यह है - 'विशाल बुद्धि'। जहाँ मैजोरिटी, वहाँ मैं, यह संगठन की शक्ति बढ़ाना। इसमें यह बड़ाई नहीं दिखाओ कि मेरा विचार तो बहुत अच्छा है। भल कितना भी अच्छा हो लेकिन जहाँ संगठन टूटता है, वहाँ अच्छा भी साधारण हो जायेगा। संगठन की शक्ति बढ़ाने की विशालता हो। इसमें कुछ अपना विचार त्यागना भी पड़े तो इस त्याग में ही भाय है। यह सदा स्मृति में रखो कि अगर यहाँ संगठन से अलग रहेंगे तो वहाँ विश्व की रॉयल फैमिली में नहीं आयेंगे। अभी का संगठन 21 जन्मों के समीप

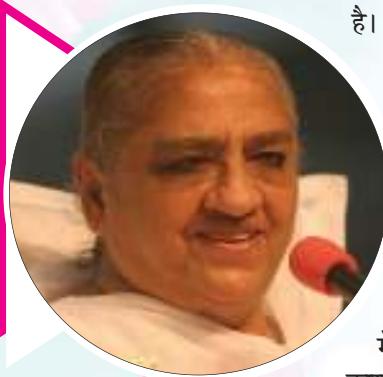
सम्बन्ध में लायेगा।
इसलिए

संगठन की शक्ति को बढ़ाना -

यह पहला ब्राह्मण जीवन का श्रेष्ठ कार्य है। इसमें ही सफलता है। इसलिए इसमें विशाल बुद्धि बनो। बेहद के बनो। सिफे अपने तरफ रजाई नहीं खींचो। दूसरे को भी दो तो वह आपको दे देगा। नहीं तो वह भी थोड़ा-थोड़ा देकर फिर पूरा खींच लेगा। 3. तीसरी बात-'प्रसन्नता'।

संतुष्टता और विशालता का प्रत्यक्ष स्वरूप हर ब्राह्मण आत्मा के चेहरे पर, मन पर प्रसन्नता की निशानी दिखाई दे। प्रश्नचित्त नहीं लेकिन प्रसन्नचित्त। चेहरे पर संकल्प और स्वरूप की अविनाशी प्रसन्नता। तो संतुष्टता, विशालता और प्रसन्नता यह है 18 अध्याय की समाप्ति। अब इस रिजिस्टर की तपस्या करो। एक दो को नहीं देखना यह तो करता नहीं फिर मैं क्यों करूँ, नहीं। मुझे करके दिखाना है। मुझे निमित्त बन वातावरण में वायब्रेशन फैलाना है।

यह तीनों विजय... विजय माला का मणका बनायेगी



इस समय का परिवर्तन बहुत काल के परिवर्तन वाली गोल्डन दुनिया के अधिकारी बनायेगा। यह ईशारा बापदादा ने पहले भी दिया है। स्व की तरफ डबल अन्डर लाइन से अटेन्शन सभी का है! थोड़े समय का अटेन्शन है और बहुत काल के अटेन्शन के फलस्वरूप श्रेष्ठ प्राप्ति की प्राप्तब्धि है। इसलिए यह थोड़ा समय बहुत श्रेष्ठ सुहावना है। मेहनत भी नहीं है सिफे जो बाप ने कहा और धारण किया। और धारण करने से प्रैक्टिकल स्वतः ही होगा। होली हंस का काम ही है- धारण करना। तो ऐसे होली हंसों की यह सभा है ना! नॉलेजफुल बन गये।

व्यर्थ व साधारण को अच्छी तरह से समझ गये हो। तो समझने के बाद कर्म में स्वतः ही आता है। वैसे भी साधारण भाषा में यही कहते हो ना कि अभी मेरे को समझ में आया। अथवा व्यर्थ क्या है? कभी व्यर्थ या साधारण को ही श्रेष्ठ तो नहीं समझ लेते! इसलिए पहले-पहले मुख्य है-होली हंस बुद्धि। उसमें

कथा सरिता

शहर की तंग गलियों के बीच एक पुरानी ताले की दुकान थी। लोग वहाँ से तालाचाबी खरीदते और कभी-कभी चाबी खोने पर डुप्लीकेट चाबी बनवाने भी आते। ताले वाले की दुकान में एक भारी-भरकम हथौड़ा भी था जो कभी-कभार ताले तोड़ने के काम आता था।

हथौड़ा अक्सर सोचा करता कि आखिर इन छोटी-छोटी चाबियों में कौन-सी खूबी है जो इतने मजबूत तालों को भी चुटकियों में खोल देती है। जबकि मुझे इसके लिए कितने प्रहार करने पड़ते हैं?

एक दिन उससे नहीं रहा गया, और दुकान बंद होने के बाद उसने एक नहीं चाबी से पूछा, "बहन ये बताओ कि आखिर तुम्हारे अन्दर ऐसी कौन-सी शक्ति है जो तुम इतने ज़िद्दी तालों को भी बड़ी आसानी से खोल देती हो, जबकि मैं इतना बलशाली होते हुए भी ऐसा नहीं कर पाता?"

चाबी मुस्कुराई और बोली, दरअसल, तुम तालों का खोलने के लिए बल का प्रयोग करते हो, उनके ऊपर प्रहार करते हो, और ऐसा करने से ताला खुलता नहीं रूट जाता है। जबकि मैं ताले को बिल्कुल भी चोट नहीं पहुंचाती बल्कि मैं तो उसके

मन में उत्तर कर उसके हृदय को स्पर्श करती हूँ और उसके दिल में अपनी जगह बनाती हूँ, इसके बाद जैसे ही मैं उससे खुलने का निवेदन करती हूँ, वह फौरन खुल

जीतना चाहते हैं, अपना बनाना चाहते हैं तो हमें उस व्यक्ति के हृदय में उत्तसा होगा। जोर-जबरदस्ती से किसी से कोई काम कराना संभव तो है पर इस तरह से हम ताले को खोलते नहीं बल्कि उसे तोड़ देते हैं यानी उस व्यक्ति की उपयोगिता को नष्ट कर देते हैं जबकि प्रेम पूर्वक किसी का दिल जीत कर हम सदा के लिए उसे अपना मित्र बना लेते हैं और उसकी उपयोगिता को कई गुना बढ़ा देते हैं। इस बात को हमेशा याद रखिये- हर एक चीज जो बल से प्राप्त की जाती है उसे प्रेम से भी पाया जा सकता है उसे बल से नहीं प्राप्त किया जा सकता।

जाता है। दोस्तों, मनुष्य जीवन में भी ऐसा ही कुछ होता है। यदि हम किसी को सचमुच

एक पहलवान जैसा हट्टा-कट्टा, लम्बा-चौड़ा व्यक्ति सामान लेकर किसी स्टेशन पर उतरा। उसने एक टैक्सी वाले से कहा कि मुझे साईंबाबा के मंदिर जाना है। टैक्सी वाले ने कहा, दो सौ रुपये लंगेंगे। उस पहलवान आदमी ने बुद्धिमानी दिखाते हुए कहा, इतने पास के दो दो सौ रुपये, आप टैक्सी वाले तो लूट रहे हो। मैं अपना सामान खुद ही उठा कर चला जाऊंगा।

वह व्यक्ति काफी दूर तक सामान लेकर चलता रहा। कुछ देर बाद पुनः उस वही टैक्सी वाला दिखा, अब उस आदमी ने फिर टैक्सी वाले से पूछा, भैया अब तो मैंने आधा से ज्यादा दूरी तय कर ली है तो अब आप कितना रुपये लंगें?

टैक्सी वाले ने जवाब दिया- चार सौ रुपये।

उस आदमी ने फिर कहा - पहले दो सौ रुपये, अब चार सौ रुपये ऐसा क्यों?

दिशा हो सही



पर ही मेहनत पूरा रंग लाती है और यदि दिशा ही गलत हो तो आप कितनी भी मेहनत कर लें लेकिन उसका कोई लाभ नहीं मिल पायेगा। इसलिए दिशा तय करें और आगे बढ़ें, कामयाबी आपके हाथ ज़रूर थामेगी।



इंदौर-कालानी नगर(म.प्र.)। बूथ निरीक्षण के दौरान ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र में आने पर समूह चित्र में भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री मुरलीधर राव, प्रदेश प्रभारी भगवानदास सबनानी, इंदौर नगर प्रभारी तेज बहादुर सिंह, नगर अध्यक्ष गौरव रण्दिवे, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, ब्र.कु. जयंती दीदी, ब्र.कु. सुजाता दीदी, ब्र.कु. कविता दीदी, पूर्व पार्षद दिवंगत गोपाल मालू के सुपुत्र नितिन मालू, मंडल महामंत्री संदीप दुबे, नगर सुरक्षा समिति के सदस्य महेश चावड़ा तथा अन्य।



एक मूर्तिकार की तरह अपने आप को सुंदर मूर्ति बनाने में तत्पर रहतीं

संजयगिरी ब्र.कु. शुभला दीदी, दिल्ली हैटिंगर, जॉइंट व्हारेस्ट ओआरटी, गुग्नाम

बचपन से ही ठाकुर के समान पलने वाली आदरणीय दादी गुलजार जी का जीवन दिव्य गुणों और दिव्य शक्तियों की खान रहा। जैसे गुलाब का फूल अपने स्थान पर रहते हुए सर्व को अपनी और आकर्षित करता है इसी प्रकार त्याग, तप और निजी धारणाओं के कारण हम सबको आकर्षित करती थीं।

दादी जी अपने स्वभाव और संस्कारों की बहुत बड़ी धनी थीं। दादी जी अपने आप में इतनी पदमापदम भाग्यवान आत्मा थीं जो हम सब ब्राह्मणात्माओं को तो बहुत पंसद थीं ही परन्तु विश्व कल्याणकारी भाग्य विधाता परमात्मा को भी पंसद थीं, जो परमात्मा ने ब्रह्मा बाबा के अव्यक्त होने के पश्चात उन्हें अपना साकार माध्यम बनाया। दादी जी को दिव्य दृष्टि का वरदान भी प्राप्त था। इस वरदान के फलस्वरूप वह अव्यक्त वतन के अनेक रहस्य भी स्पष्ट करतीं। दादी बहुत ही सरल, स्वच्छ, निर्मल स्वभाव, निरसंकल्प और निश्चिंत हृदय वाली आत्मा थीं तभी तो भगवान ने इनका नाम हृदय मोहिनी रखा।

दादी जी से मेरी पहली मूलाकात 1960 में हुई। उनकी पारसमणि की तरह चुंबकीय शक्तियों से मैं बहुत प्रभावित हुई। दादी ने आत्म संयंम, ईश्वरीय नियम और मर्यादाओं में जो मानव की सबसे बड़ी शोभा है उसमें उठना, बैठना और चलना सिखाया। वह सदा इस बात के लिए कहतीं कि योगी की कर्मद्वियां बहुत ही शांत, शीतल और स्थैरियम होनी चाहिए तब से लेकर मेरा ध्यान सदा इस बात की ओर रहता कि योगी बड़े परमार्थी, शीतल जिनके अंग तपत बुझाए औरों को देकर अपना रंग। दादी की वाणी में बड़ा ओज होता। वह जब किसी विषय को लेकर क्लास करतीं तो अंतर्मन की गहराइयों तक ले जातीं। जो भी बोलतीं

बहुत सरल, सारायुक्त और रमणीकता वाले बोल होते। जिससे सर्व को खुशनसीब, खुशहाल और खुशमिजाज वाला बना देतीं। दादी की वाणी ओजस्वी और दृष्टि शक्तिशाली थी। मेरा यही पुरुषार्थ रहता कि मुझे वाणी और दृष्टि को शक्तिशाली बनाना है जिसका मैं स्वयं और दूसरे भी अनुभव करें। दादी का एक पाठ मुझे सदा याद रहता कि प्राण बाबा हमें सच्चा हीरा बनाना चाहता है और हीरे को जब तक अच्छी



तरह से नहीं तराशेंगे तो चमक कैसे आयेगी! उसके लिए आत्म निश्चय और परमात्म निश्चय की नींव जितनी मजबूत और गहरी होगी, ज्ञान, गुण और शक्तियों की जितनी धारणा होगी उतने चमकदार सफलता के सितारे बनेंगे। दादी जी इस बात का ध्यान हम सबको खींचवातीं कि जहाँ आप वहाँ खुशी की लहर फैल जाए, वातावरण बहुत ही खुशनुमा बन जाए। आप से सर्व को अपनेपन की भासना आये। आप से दूसरों को ऐसा महसूस हो

कि आप आए तो समाधान आ गया। दादी जी स्वयं प्रेम स्वरूप थीं जो हम सबको प्रेम से और एकमत होकर रहना सिखातीं। मैंने दादी को कभी ऊंची आवाज से बोलते हुए नहीं देखा, वह एक मूर्तिकार की तरह अपने आप को सुंदर मूर्ति बनाने में तत्पर रहतीं। ताकि मूर्ति में पवित्रता, सत्यता और दिव्यता की झलक-फलक चेहरे और चलन में प्राण बापदादा की सूरत दिखाई दे। हमारा चेहरा, चलन ईश्वरीय संदेश दे। दादी जी की दृष्टि में बहुत शक्ति थीं। जिसको भी दृष्टि देतीं उनके जीवन को बदल देतीं। मुझे याद आता है कि हमारे पास एक बहन थी जो अपने पुरुषार्थी जीवन में बिल्कुल होपलेस (आशाहीन) हो गई थी। उसका मन कहीं भी नहीं लग रहा था, वह सदा उदास और परेशान रहती। दादी जी की पावित्र दृष्टि ने उसकी मनोवृत्तियों को बदल दिया, उसमें एक नई आशा की किरण पैदा हो गयी। आज वह बहुत अच्छी तरह से, खुशी से बाबा की सेवा कर रही है और सेंटर इंचार्ज के रूप में सेवा दे रही हैं।

दादी जी कहा करतीं कि प्राण बाबा हम सबकी मनोस्थिति को सशक्त बनाने के लिए बहुत सारी शिक्षा देते हैं उसे अपने अंतर्मन में तब तक रिवाइज़ करते रहो जब तक वह हमारे जीवन की धारणा न बन जाए। दादी जी हर कार्य में न्यारी-प्यारी और उपराम रहतीं, तभी सभी के दिलों पर राज्य करती थीं।

हमें नाम-मान-शान से ऊपर उठकर, अपने को सर्व प्रकार के कर्म बंधनों से मुक्त कर, सतोप्रधान, सम्पन्न, संपूर्ण और कर्मातीत बनने के पुरुषार्थ में तत्पर रहना चाहिए। यही हमारी आप सब के प्रति शुभ भावना और शुभ कामना है। एक कदम तुम चलो एक कदम हम चलें, कदम से कदम मिलाकर चलो तो मंजिल पर पहुंच जाएंगे।

एक नई सोच

हमें यह अच्छे से समझ लेना चाहिए कि लोग हमें शारीरिक सुंदरता से परसंद करते हैं या फिर हमारे अच्छे व्यवहार से... ?? क्योंकि शारीरिक सुंदरता पर अगर संबंध टिके होंगे तो निश्चित है कि एक दिन सुंदरता के ढलते ही रिश्ते टूट जायेंगे। जबकि अच्छा व्यवहार वह ताकत है जो मृत्यु के बाद भी अमर ही रहती है।

अतः हमें जीवन में हमेशा अपने विचार, व्यवहार, वाणी और कर्म पर विशेष ध्यान देना चाहिए तभी हमारा जीवन सम्पूर्ण सुखी और शांतिमय होगा। लेकिन परमपिता परमात्मा की याद की शक्ति से ही हम अपने मन, वाणी, कर्म और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। और तभी हमारा जीवन श्रेष्ठ बन सकता है।

तो आइए इस महत्वपूर्ण पहलू की ओर हम सभी मिलकर कदम उठाएं और विश्व परिवर्तन के इस महान कार्य में सहयोगी बनें।



जीरापुर-म.प्र। बसंत उत्सव कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए नगर परिषद् सीएमओ देव नारायण दांगी, जीपीडी चौबे स्कॉलर्स एकेडमी के संचालक तरुण चौबे, रामकृष्ण स्वामी विवेकानन्द स्कूल संचालक संजय पवार, नवदुनिया पत्रकार रविंद्र हाड़ा तथा ब्र.कु. नम्रता बहन।



आगरा-कमला नगर(उ.प्र.)। ब्रह्मकुमारीज के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा किसानों को सशक्त बनाने एवं शाश्वत यौगिक खेती को बढ़ावा देने के लिए आयोजित मीटिंग में प्रभाग के एक्टिव मेम्बर ब्र.कु. राजेन्द्र भाई, पल्लव, प्रभाग की जोनल कोऑर्डिनेटर एवं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका सादाबाद सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भावना बहन, जोनल सह प्रभारी, भरतपुर जनपद प्रभारी ब्र.कु. कविता दीपी, जोनल प्रभारी ब्र.कु. शीला दीदी, ब्र.कु. मंजरी दीदी तथा अन्य स्थानों से आये ब्र.कु. भाई-बहनें भी उपस्थित रहे।



बक्सावाहा-छतरपुर(म.प्र.)। 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत 'स्वर्णिम भारत के निर्माण में मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में छतरपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन, ब्र.कु. कल्पना बहन, ब्र.कु. रमा बहन, राज एक्सप्रेस से बलभद्र राय, नवदुनिया से राजेश रायी, वई.डु.दुनिया से अधिकारी असाठी, वी.न्यूज से रिपोर्टर अंशुल असाठी, एआईएम एमीडिया समूह से अनिल जैन, स्कॉल एप रिपोर्टर सोरेथ जैन, नवदुनिया से अमीत फहीम उद्दीन, दैनिक जागरण से अशीष चौरसिया, अनादी टीवी मीडिया से मोहित जैन, दैनिक भास्कर से राजू दुबे आदि उपस्थित रहे।



जबलपुर-बिलहरी(म.प्र.)। 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत भारतीय सशस्त्र बल के भाई-बहनों के लिए आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम के दौरान समूह चिव्वत में पूर्व सैनिक परिषद् जबलपुर के अध्यक्ष आर.के. तिवारी, ब्र.कु. लेफिटेनेट कर्नल विकास राव चौहान, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. विमला दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बाला बहन तथा अन्य।



सीतामऊ-मंदसौर(म.प्र.)। सेवाकेन्द्र के 14वें वार्षिकोत्सव समारोह में दीप प्रज्वलित करते हुए पी.सी. पाटीदार, सीईओ, किशोरी लाल सोनी, वरिष्ठ अध्यापक, ब्र.कु. उषा बहन, ब्र.कु. श्यामा बहन, ब्र.कु. कृष्णा बहन तथा अन्य।



आस्का-ओडिशा। रक्तदान शिविर का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए प्रशांत कुमार साहू, आईआईसी, आस्का पुलिस स्टेशन, एसआई इंडिशा उपाध्याय, सबद न्यूज़पर के जिला संयोजक बसंत कुमार पंडा, बहरामपुर ब्लड बैंक के डॉ. प्रशांत कुमार पाण्डिही, ब्र.कु. प्रवाती बहन तथा अन्य।

व्यर्थ संकल्प वयों चलते हैं?

जैसे विज्ञान का एक विषय है कि कोई भी चीज़ जब हम देखते हैं तो उसके बाद हम सोचते हैं। तो इसका मतलब ये हूआ कि पहले हम देखते हैं फिर उसके बारे में संकल्प आता है। अगर कोई चीज़ हमने देखी न हो तो हमें संकल्प आ नहीं सकता। इसका अर्थ ये हुआ कि जब भी कोई भी विकार हमारे अन्दर पैदा होता है तो पहले हमारे संकल्प में आता है उसके बाद बाहर आता है तो परमात्मा के द्वारा बताये गए ज्ञान और संज्ञान से एक चीज़ तो समझ में आ गई कि हमारे जीवन का जो सबसे पहला विकार है देह को देखना और देह को देखने के बाद काम विकार की उत्पत्ति होती है या कोई भी कामना उत्पन्न होती है चाहे वो देखने की कामना हो या बात करने की कामना हो, या उससे मिलने की कामना हो, कोई भी कामना जब उत्पन्न होती है तो वो पहले संकल्प में आता है। और उस संकल्प की पूर्ति न होने से क्रोध पैदा होता है।

तो इसका मतलब हुआ कि काम अर्थात् कोई भी कामना, व्यर्थ दृष्टि पैदा करने का आधार बनी। मतलब जिस व्यक्ति के लिए आया उसके लिए व्यर्थ पैदा हो गया। और उससे हमारी पवित्रता में बाधा आई। मतलब सीधा है, साफ है कि कोई भी विकार के वश हमारे कोई भी संकल्प हैं तो व्यर्थ हैं। और जो व्यर्थ हमारे अन्दर चलता है उस व्यर्थ का कोई भी पैरामीटर नहीं है। जैसे परमात्मा हमको सिखाते हैं और बहुत गहरे ज्ञानी हम आत्मायें सीखती भी हैं और बार-

बार उसको कहते भी हैं कि देह सहित देह के सभी सम्बन्धों को भूलो। तो इसमें पहला शब्द जो आता है देह को भूलना मतलब दैहिक दृष्टि, देह भान, हमारे सारे विकारों का रुट है, जड़ है। जहाँ से सब कुछ उत्पन्न होता है तो जो भी इन विकारों के वश है उन दोनों का आधार क्या हुआ? जो कुछ वो अपनी विशेषता और अपने गुण में, पुरुषार्थ में थोड़ी वृद्धि देखता है तो उसे उनके ही व्यर्थ संकल्प चलते हैं, चाहे वो कोई भी विकार क्यों न हो। व्यक्तिके बोकोई भी विकारों के वश है उसी के अन्दर ये संकल्प आता है कि ये व्यक्ति ऐसा क्यों है! इसको ऐसा नहीं होना चाहिए व्यक्तिके विकार के वश संस्कार बने हैं उसके। उन संस्कारों के आधार से तुलना करके वो उस व्यक्ति से बातचीत करता है, उससे मिलता है और उससे मिलकर आगे बढ़ने की कोशिश करता है।

हम सबके अनुभव में ये बात पूरी तरह से आ चुकी है कि हर एक आत्मा के संस्कार अलग-अलग हैं लेकिन उस आत्मा को हम अपने हिसाब से जैसे ही जज करने की कोशिश करते हैं इसका मतलब ये कि मैं उस आत्मा को अपने आधार से चलाना चाहता हूँ। या उसको अपने आधार से परिवर्तन करना चाहता हूँ। अब देखो आज तक का जो आपका अनुभव है वो क्या कहता है? चाहे वो ज्ञानी आत्मा है, चाहे अज्ञानी आत्मा है, उसको अपने किसी गुण का, किसी विशेषता का थोड़ा भी अभिमान आता है और दूसरा वो दूसरे के अन्दर थोड़ी कमी देखता है तो हमेशा उस कमी को देखने के बाद अपने आप को आगे बढ़ता हुआ

फील करता है और दूसरों को नीचा देखने की कोशिश करता है मतलब जब कोई व्यक्ति आगे बढ़ रहा है, या पीछे हट रहा है उन दोनों का आधार क्या हुआ? जो कुछ वो अपनी विशेषता और अपने गुण में, पुरुषार्थ में थोड़ी वृद्धि देखता है तो उसे उगता है कि सामने वाले के अन्दर ये सारी चीजों की कमी है। मतलब सीधा और साफ अलग-अलग तरीके से यूज़ करते हैं, प्रयोग करते हैं। लेकिन हम सबका संकल्प ऐसा चलता है तो ज़रूर वो किसी ने किसी विकार के वश है। इस दुनिया में हम लाखों लोगों से प्रभावित हो सकते हैं लेकिन हम सबको प्यार नहीं कर सकते। प्यार हम एक-दो को ही कर सकते हैं। वैसा यहाँ भी है कि हम चाहे किसी विशेषता से, चाहे किसी गुण से

जिस घर में चाहे वो माता पिता हो, चाहे किसी सेवाकेन्द्र की बात है उस घर में जो भी आत्मायें रहती हैं, जो भी सेवाओं के निमित्त हैं उन सभी आत्माओं को चलाने की जिम्मेवारी, सेवा के निमित्त जो मैन हैं, मुख्य हैं उनकी है। वो तो सभी आत्माओं का अलग-अलग तरीके से यूज़ करते हैं, प्रयोग करते हैं।

आपको अपमानित फील कर रहा है। तो अभिमान और अपमान ये व्यर्थ संकल्प का सबसे बड़ा आधार है या इसको हम कारण कह सकते हैं।



ब्र.कु.अनुज, दिल्ली

तो परमात्मा आ करके हमारे अन्दर जो व्यर्थ को खत्म करने की बात करता है वो कहता है कि ये सारी विशेषताएं, ये सारे गुण, ये सारी कलायें और ये सारे संस्कार जो भी अच्छे-अच्छे हैं वो सब परमात्मा की देन हैं। चाहे आपकी, चाहे किसी और की। जैसे उसने आपको अपना माना, माना विकार की दृष्टि से देखा आपके अन्दर दैहिक भान आया तो वो चीज़ व्यर्थ चलने का आधार बन जायेगी। इसी कारण से शायद आज उन्नति नहीं हो रही है। तो अभिमान और अपमान ये दो बातें हैं जो आज हमारे व्यर्थ संकल्प चलने का आधार हैं। पूरी दिनचर्या में आप इसको नोट करके देखो कि मेरे में मेरे को कोई भी कम क्यों आंक रहा है, मेरी बातों को कोई कम क्यों आंक रहा है, मेरे ज्ञान को कोई कम क्यों आंक रहा है मैं भी तो यहीं का एक सदस्य हूँ ना! तो ये व्यक्ति अपने आपको विशेष अनुभव करने लग जाता है तो उसके व्यर्थ सबसे ज्यादा चलते हैं और यहाँ आपको ये मान लेना है कि ये ज्ञान परमात्मा का दिया हुआ है। तो परमात्मा के ज्ञान में हमारा कभी व्यर्थ नहीं चल सकता। तो अभिमान और अपमान इन दोनों से जब हम परे होंगे, अपने को अस्तिक दृष्टि में, आस्तिक स्थिति में ले आयेंगे तो निश्चित रूप से हमारे अन्दर परिवर्तन होगा।



है कि कमी अपने पुरुषार्थ की नहीं है लेकिन नाम, मान और शान में किसी भी व्यक्ति को आगे न बढ़ाना या मैं खुद आगे न बढ़ूँ, एक आधार बन जाता है। जिससे और ज्यादा व्यर्थ संकल्प चलते हैं।

इन्हें प्रभावित हैं खुद के या किसी और के, जिसके आधार से हम सबको जज कर रहे हैं। और व्यर्थ संकल्प का सिर्फ़ एक आधार है आज के समय में एक या तो अभिमान है किसी चीज़ का, या मैं उस चीज़ में अपने

एनजी देने के लिए। जितना भी हो सहज रूप से एक घंटा न हो तो आधा-आधा घंटा दो बार कर लें। सोने से पहले अपने संब्लॉन्शियस माइंड में ये थॉट भरना

मन की बातें

- राजयोगी ब्र.कु.सूर्य



है बहुत विश्वास के साथ, भावना के साथ कि मेरा माइंग्रेन ठीक हो गया है। पाँच बार कर दें कि मेरा माइंग्रेन बिल्कुल ठीक हो गया है। तो संब्लॉन्शियस माइंड इसको कमांड के रूप में स्वीकार कर लेता है और ये जो हमारा संब्लॉन्शियस माइंड है ये रात के समय बहुत पॉवरफुल सर्जन है। ये उस चीज़ को हील करेगा, ठीक करेगा। तीसरी चीज़ है पानी चार्ज करके पीना। पानी को दृष्टि देकर सात बार संकल्प कर दें कि मैं परमपवित्र आत्मा हूँ या मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। थोड़ा पी लें और थोड़ा सिर पर भी डाल लें। चौथी चीज़ है ब्रेन को एनजी देना। जो इन सबमें मॉस्ट पॉवरफुल, मोस्ट इम्पॉटेंट है और उसका तरीका यही है दोनों हाथों को मलना है और हाथों को मलने से हाथों में एनजी आती है तीन बार याद कर लें कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। अब अपने हाथों को खुला छोड़ दीजिए। फिर इन हाथों को अपने सिर पर रख दें। और साथ ही संकल्प भी कर लें कि मेरा ब्रेन नॉर्मल हो रहा है। ऐसा एक मिनट और दस बार कर दें। आप इसे तीन मास तक कर लें। और अगर आप इसके लिए दवाई ले रही हैं तो दर्द अगर बढ़ जाता है तो तब दवाई ले लेनी चाहिए। बल्कि जब दवाई ले लेना चाहिए। दवाई हाथ में ले और 7 बार संकल्प करें कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। तो दवाई में पॉवर आ जायेगी। और वो दवाई काम करेगी।

उत्तर : हाँ, केवल पीने से ही नहीं, आँखों में डालने से भी और साथ-साथ जैसे हमने चार बातें माइंग्रेन के सम्बन्ध में बताईं वो हर बीमारी में यूज़ की जा सकती हैं। चाहे वो राजयोग करता है या नहीं करता है। वो रात को संब्लॉन्शियस माइंड में थॉट को तो भर ही सकता है कि अब मुझे सबकुछ कलीयर दिखने लगा है। नज़दीक की विज्ञ, दूर की विज्ञ मेरी बिल्कुल कलीयर हो गई है। जैसे मैं दूर तक देख रहा हूँ। सब स्पष्ट दिखता है। ये विज्ञ बनायें आप। मान लो 100 मीटर पर एक व्यक्ति खड़ा है, या पेड़ है हम उसको बिल्कुल साफ-साफ देख रहे हैं, पहचान सकते हैं कि ये कौन-सा व्यक्ति खड़ा है। साथ-साथ आप पानी चार्ज करके मैं परमपवित्र आत्मा हूँ इस संकल्प से थोड़ा पियेंगे और थोड़ा आँखों पर लगायेंगे। लेकिन महत्वपूर्ण रहेगा इसमें भी ब्रेन को एनजी देना। टाइम फिल्स करके ब्रेन को एनजी देन। तो ब्रेन का जो हिस्सा आँखों को कंट्रोल कर रहा है जो नर्व आँखों तक जा रही है वो भी एनजेंटिक हो रही हैं। वो भी बहुत एनजेंटिक हो जायेंगे। और ये चीज़ ठीक हो सकती है। विश्वास हो जायें कि इससे बिल्कुल ठीक हो जायेगा, तो ये बहुत जल्दी काम करेगा।

Contact e-mail - bksurya8@yahoo.com

मन की खुशी और सच्ची शांति के लिए देखें आपका अपना 'पीस ऑफ माइंड' और 'अवेक्निंग' चैनल



प्रश्न : क्या हम पानी चार्ज करके ऐसे व्यक्ति को दें जिसको दूर का दिखाता हो। तो क्या उस इंसान का विज्ञ इम्प्रॉव्हेशन

अलबेलोपन में आकर कहीं अपना ही तो नुकसान नहीं कर रहे...!

वरिष्ठ गजयोगी ब्र.कु. सूर्य, माउण्ट आबू

संगमयुग पर हमें विजयी बनना है। संगमयुग की विजय हमें वरदान दिलायेगी, हर जन्म, हर कदम पर विजय हो। हर फील्ड में विजय हो। तो हम रोज़ सबरे बाबा से विजय का तिलक लेंगे और किन-किन चीजों पर हमें विजयी बनना है उसके लिए बहुत अच्छा चिंतन करें। और सुबह उठते ही इस तरह बाबा से शक्तियाँ भरेंगे। रोज़ उठते ही बहुत सुंदर संकल्प के साथ मस्तक सिंहासन पर बैठें... भूकुटी की कुटिया में... इस सिंहासन पर मैं राजा हूँ... मन-बुद्धि की मालिक... ईश्वरीय शक्तियों से भरपूर... संकल्प करें, मैं मास्टर सर्वशक्तिवान और विजयी रतन हूँ, इस माया पर हमने कल्प-कल्प विजय पाई है, अनगिनत बार विजय पाई है। अपने में विश्वास भर लें, अब भी मेरी विजय निश्चित है। मैं चमकती मणि, मुझसे चारों ओर रंग-बिरंगी किरणें फैल रही हैं...।

हमें स्वयं पर विजयी होना है

हमें विजयी बनना है, स्वयं पर विजय। और जो मनुष्य स्वयं पर विजय प्राप्त करना सीख लेता है, वो सभी के दिलों पर भी राज करने लगता है। कार्य व्यवहार में, संगठन में ज्यादा खींचातान की ज़रूरत नहीं होती, सहज भाव से सब कार्य चलने लगते हैं। तो हम बहुत

अचानक होगा... ये बाबा ने पहले ही बताया है

बहुतों के घरों में अचानक मृत्यु हो रही हैं। ये तो बाबा ने बहुत पहले से कहा हुआ है। अब से पचास साल पहले कहा था, अचानक होगा, और तब से कहते आये हैं। हम सब को याद दिलाते आये हैं। लेकिन हमें इतना कमज़ोर नहीं है।



जैतवारा-म.प्र। ब्रह्माकुमारीज के सुरक्षा सेवा प्रभाग एवं सेना के जवान व पुलिसकर्मियों के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में पचमढ़ी सेवाकेन्द्र सचालिका एवं सुरक्षा सेवा प्रभाग की जोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. संध्या दीदी, फरीदाबाद हरियाणा से ब्र.कु. पूजा बहन, टी.आई. विजय सिंह, जैतवार पुलिस थाना, आर्मी से सुवेदार दिवाकर सिंह, डॉ. आर.एन. कुशवाहा, स्थानीय सेवाकेन्द्र सचालिका ब्र.कु. मीना बहन, ब्र.कु. मनोज कुमार, ब्र.कु. हरिकृष्ण आदि उपस्थित रहे।



सारंगपुर-म.प्र। शिव मंदिर की स्थापना के अवसर पर नगर में सेवारत महादेव मित्र मंडल के सदस्यों को ईश्वरीय सौगत भेट करते हुए ब्र.कु. भाग्यलक्ष्मी बहन।



चंपारण-छ.ग। ब्रह्माकुमारीज के स्थानीय सेवाकेन्द्र के सिल्वर जुबली एवं समान समारोह का दीप प्रज्वलित करते हुए ब्रह्मानंद साहू, अध्यक्ष, साहू समाज अभनपुर, ब्र.कु. नारायण भाई, इंदौर, ब्र.कु. पृष्ठा बहन, सचालिका, नवापारा, सौरभ भाई, बिजनेसमैन, दिल्ली, ब्र.कु. सतीश, ओरासी, गुरुगाम, ब्र.कु. माखन, ओरासी, गुरुग्राम, ब्र.कु. अनिल, शांतिवन तथा अन्य।



दिल्ली-पीतमपुरा। 'स्ट्रेस फ्री लाइफ' कार्यक्रम के दैरान समूह चित्र में विद्यार्थी, टीचर्स, ब्र.कु. प्रभा, प्रॉफेटी डीलर तारिक अरोरा, टीचर गीतिका जी तथा अन्य।



धमतरी-छ.ग। ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित स्वर कोकिला लता मंगेशकर के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में श्रीमति भारती नायदू, सचालिका, कला निकेतन संगीत महाविद्यालय एवं समाजसेविका धमतरी, श्रीमति ममता खालसा, शिक्षिका, स्पिरिट खालसा, ब्र.कु. सरिता दीदी, कामिनी कौशिक, ब्र.कु. नवनीता दीदी तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।



जयपुर-राजापार्क(राज.)। 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत युवा प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपक्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. पूनम दीदी, रिटा. आर.ए.एस. महेश नारायण शर्मा, कला एवं संस्कृति विभाग राजस्थान के संयुक्त सचिव पवन कुमार ओझा, व्यवसाय विभाग के पूर्व प्रमुख प्रो. अशोक कुमार शर्मा तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।



तुमसु-बालंगीर(ओडिशा)। महिला एवं बल विकास राज्यमंत्री श्रीमति तुकुनी साहू का ईश्वरीय सौगत भेट करते हुए ब्र.कु. अंगिता बहन।



नगरा-उ.प्र। विधानसभा रसड़ा विधायक उमाशंकर सिंह को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात ईश्वरीय साहित्य एवं प्रसाद भेट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र सचालिका ब्र.कु. नीलम बहन।



भीनमाल-राज। जालोर महोत्सव के दैरान भीनमाल गवर्नरमेंट स्कूल के ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम जवाहरराम चौधरी, ब्र.कु. गीता बहन, डॉ. श्रवण मोदी, योगा टीचर पासमल छांची तथा जोरावर सिंह राव उपस्थित रहे। इस दैरान 'आजादी' के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत 'सच्ची आजादी' विषयक जीवंत छांकी का आयोजन किया गया। इस पैकेपर ब्र.कु. गीता बहन सहित, ब्र.कु. सुरीता बहन, गोनीवाड़ा तथा ब्र.कु. शैल बहन, मंडार ने सभी को सच्ची आजादी एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर स्पष्ट रूप से सम्बोधित किया।



जम्मू-बी.सी. रोड(रियासी)। ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित महाशिवरात्रि महोत्पवन एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम के दैरान चरणदीप सिंह, उपर्युक्त, रियासी, राजयोगिनी ब्र.कु. सुदर्शन दीदी, सचालिका, ब्रह्माकुमारीज जम्मू-कश्मीर लद्दाख, उत्तरी जोन कोऑर्डिनेटर, स्पोर्ट्स विंग, ब्रह्माकुमारीज, जम्मू-कश्मीर लद्दाख, सहायक अयुक्त, राजस्व, विरिष राजयोगी ब्र.कु. रविंद्र भाई, ब्र.कु. पल्लवी बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र सचालिका तथा बड़ी संख्या में भाई-बहनें उपस्थित रहे।

« आवश्यक सूचना »

सरोज लालजी महरोत्रा ग्लोबल नर्सिंग कॉलेज, शिवमणि होम के पास, तलहटी आबूरोड, सिरोही, राजस्थान में महिला एम.एस.सी नर्सिंग स्टाफ की आवश्यकता है।

योग्यता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मेडिकल सर्जिकल स्पेशलिटी में एम.एस.सी नर्सिंग

अनुभव : कम से कम 4 वर्ष का शिक्षण अथवा क्लिनिकल स्पेशलिटी में अनुभव

सम्पर्क करें :

मोबाइल नं: 8094652109

ई-मेल : slmgnc.raj@gmail.com

स्व परिवर्तन कर विश्व परिवर्तन का ज़िम्मा उठायें : मेयर

अबोहर-पंजाब। नववर्ष के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अबोहर की आभा निखारने के अभियान में सैकड़ों नगर निवासियों ने सहभागी होने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगर निगम मेयर विमल ठर्डे ने कहा कि अच्छे इंसान बनने के लिए यह ज़रूरी है कि हम अपने कार्यक्षेत्र में सकारात्मक चिंतन अपनायें, ना कि किसी को दुःख दें या किसी से दुःख लें।



ब्रह्माकुमारीज के संस्थापक दादा लेखराज द्वारा स्थापित आदर्शों को अपनाते हुए स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का मार्ग अपनाएं। लेखक परिषद् प्रधान राज सदोष ने कहा कि

संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी जानकी का आज जन्म दिन भी है। उन्हें केन्द्र सरकार ने स्वच्छता अभियान का ब्रांड एन्डेस्टर नियुक्त किया था। सफाई के प्रति जागरूकता लाने के लिए स्थानीय नगर निगम ने 'अपना अबोहर अपनी आभा' अभियान के कार्यकर्ताओं के संक्रिय सहयोग से अद्भुत प्रयास किये हैं। यदि हम सामूहिक रूप से प्रयास करें तो अबोहर की आभा और अधिक निखारी जा सकती है। इस मौके पर वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. दर्शना बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. शालू बहन, शकुंतला सोनी, एडवोकेट रमेश शर्मा, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. ऋतु गुप्ता, डॉ. दीपाली व डॉ. कंचन खुराना आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हर परिस्थिति में सकारात्मक रहकर सकारात्मक सोचें विश्व कैंसर दिवस पर सभी को कैंसर के प्रति किया गया जागरूक



ग्वालियर-म.ग्र। ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग द्वारा विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर हॉस्पिटल ग्वालियर के सहयोग से सभी में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाकर प्रतिवर्ष कैंसर से होने वाली मृत्यु से बचाने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर ब्र.कु. डॉ. गुरचरण ने बताया कि यदि हमरे जीवन में कोई दुःख, बीमारी या तकलीफ आती है तो हमें कभी भी नकारात्मक नहीं सोचना चाहिए बल्कि सकारात्मक ही सोचना चाहिए क्योंकि कोई भी परिस्थिति या बीमारी हमें तब ज़्यादा प्रभावित करती है जब हम निराश-हताश

दुआएं चाहिए... तो सभी को दुआएं देना शुभ कर दें, क्योंकि जो देंगे वही हमें वापिस निलेगा : ब्र.कु. डॉ. अंजलि

बहुत अच्छा होगा। अपने लिए और अन्य सभी के लिए अच्छा ही सोचेंगे। ब्र.कु. आदर्श बहन, लक्ष्मण सेवाकेन्द्र संचालिका ने कहा कि आज के परिदृश्य में यदि हम स्वस्थ रहना चाहते हैं तो

व्यसनों-बुराइयों को छोड़ें, अपना खानपान शुद्ध रखें, शारीरिक व्यायाम करें, थोड़ा समय ध्यान करें अर्थात् परमपिता परमात्मा से अपने मन की तार जोड़ें तो हमारा मनोबल शक्तिशाली बनेगा और हम स्वस्थ रह सकेंगे। इसी के साथ समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराएं ताकि यदि कोई बीमारी है तो समय रहते डॉक्टर की सलाह लें और उचित मेडिसिन लेकर अपने को स्वस्थ रखें। ब्र.कु. डॉ. अंजलि ने बताया कि हम किसी के लिए कूछ और ना भी कर सकें लेकिन दुआएं तो दे ही सकते हैं, सबके प्रति एक अच्छी सोच तो रख ही सकते हैं कि सभी सुखी-स्वस्थ रहें। कहते हैं जहाँ दवा काम नहीं आती वहाँ दुआ काम आती है। यदि हमें सभी की दुआएं चाहिए तो उसके लिए हमें सबसे पहले दुआएं देना शुरू करना पड़ेगा क्योंकि जो देंगे वो ही हमें वापिस मिलेगा। इस मौके पर राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई गई। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ब्र.कु. प्रहलाद भाई ने किया।

जीवन से नकारात्मक विपार को निकाल दृढ़ता के साथ आगे बढ़ें 'युवा'

राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद समान श्रेष्ठ जीवन बनाने हेतु युवा हुए संकलिप्त

जातौर-राज। ब्रह्माकुमारीज द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. अमित मोहन गुप्ता, प्रभारी, श्री आदिनाथ फतेह ग्लोबल नेत्र चिकित्सालय, जातौर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को कहा था कि मेरे जैसे सौ युवा मुझे मिल जाएं तो सम्पूर्ण भारत वर्ष में नव चेतना का संचार किया जा सकता है। वे मातृशक्ति का पूरा सम्मान करते थे। लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, प्रतिष्ठित उद्यमी ने कहा कि ऐसे



कार्यक्रम से युवाओं में जागृति व नव चेतना आएँ। इंदु दवे, प्रिन्सिपल, विवेकानंद आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय ने कहा कि आज के युवा स्वामी विवेकानंद के पदचिन्हों पर चलेंगे तो निःसंदेह अपने लक्ष्य को अवश्य पा लेंगे। रंजीत प्रजापत, वरिष्ठ अध्यापक देवावास ने कहा कि फिजिकल फिटनेस के साथ-साथ आध्यात्मिक शक्ति युक्त फिटनेस ज़रूरी है। ब्रह्माकुमारीज द्वारा युवाओं में

संस्कार व अध्यात्म का ज्ञान व शक्ति भरने का कार्य किया जा रहा है। एडवोकेट मुकेश राजपुरेहित ने भी अपने विचार रखे। ब्र.कु.

कहा कि युवा अपने जीवन से नकारात्मक विचार को निकाल सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। राजयोग के माध्यम से युवाओं में आध्यात्मिक शक्ति आती है, इसी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

ऐडियो मधुबन के 11वें वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन

लोक कलाओं को एक मंच दे रहा है ऐडियो मधुबन : सरांच ललिता देवी

ऐडियो मधुबन के वार्षिकोत्सव पर विकासखंड स्तरीय संगीत और भाषण प्रतियोगिता आयोजित

'संगम' थीन पर मनाई गई ऐडियो मधुबन की 11वीं वर्षगांठ



ने भाग लिया। समापन पर सभी प्रतिभागियों

को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. गीता बहन ने कहा कि ऐडियो मधुबन के द्वारा किसानों को खेती-बाड़ी के साथ ही मौसम की जानकारी समय प्रति समय मिलती रहती है। ऐडियो मधुबन की टीम समाज कल्याण और जन जगृति के लिए भी बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है। इससे समाज में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। ऐडियो मधुबन के स्टेशन हेड ब्र.कु. यशवंत ने कहा कि ऐडियो स्टेशन की सफलता के पीछे सर्वशक्तिवान परमपिता परमात्मा के वरदान, आशीर्वाद और शक्ति का ही कमाल है। ऐडियो मधुबन

मारवाड़ी गीत से बांधा समा...

हमारे समुदाय की आवाज ऊपर ने मारवाड़ी में गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में समां बांध दिया। संगीत शिक्षिका श्यामली एवं ऐडियो मधुबन के बाल कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। इस दौरान अतिथियों ने ऐडियो मधुबन टीम द्वारा तैयार की गई दो विशेष सर्विस रिपोर्ट कियाएं- टैलेंट हंट सर्विस व कम्युनिटी सर्विस रिपोर्ट का अनावरण किया। ब्र.कु. मोना ने मंच संचालन किया।

की पूरी टीम व्यसनमुक्त और संयम के पथ पर चलने वाली है। इससे उनकी रचनात्मकता और सूजन शक्ति में दिनोंदिन बढ़तेरी हो रही है। वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. तुलसी भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज ने बनाई विशाल रंगोली

अम्बिकापुर-चोपड़ापारा(छ.ग.)। ब्रह्माकुमारीज द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत आम जनता के दर्शनार्थ नव विश्व भवन के हाल

भावना को दर्शाया गया है, राष्ट्रीय ध्वज को भारत माँ के मुकुट पर दिखाया गया है तथा साथ ही भारत माता के हाथ में सर्व आत्माओं के पिता परमात्मा शिव का प्रतीक ध्वज



में विशाल रंगोली सजाई गई। इस अवसर पर सरगुजा संभाग की संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी ने जानकारी देते हुए बताया कि बीस फीट बाई बारह फीट में सजाई गई। इस भव्य रंगोली को बनाने में चार दिन का समय लगा है तथा इसे ब्र.कु. परमवी बहन, ब्र.कु. अमिता बहन, ब्र.कु. खिलानंद भाई अन्य ब्र.कु. बहनों ने मिलकर तैयार किया है।

दिखाया गया है। इस रंगोली में स्वतंत्र भारत के प्रतीक उड़ते हुए पंछियों को राष्ट्रीय ध्वज के रंगों में दिखाया गया है। दीदी ने बताया कि इस भव्य रंगोली को बनाने में चार दिन का समय लगा है तथा इसे ब्र.कु. परमवी बहन, ब्र.कु. अमिता बहन, ब्र.कु. खिलानंद भाई अन्य ब्र.कु. बहनों ने मिलकर तैयार किया है।